www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, शुक्रवार
22 मई 2026
वर्ष: 49
अंक: 30 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

दो फीसदी बढ़ा यूपी के कर्मचारियों का डीए

● 16 लाख कर्मियों को अब मिलेगा 60 फीसदी महंगाई भत्ता

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के राज्य कर्मचारियों के लिए गुड न्यूज आई है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने राज्य कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दे दिया है। सरकार राज्यकर्मियों का महंगाई भत्ता यानी डीए में 2 फीसदी की वृद्धि की है। इसके साथ ही अब महंगाई भत्ता बढ़कर 58 से 60 फीसदी हो गया। सबसे बड़ी बात यह है कि राज्यकर्मियों की मई माह की सैलरी से 2 फीसदी बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता जुड़कर आएगा। महंगाई भत्ता का भुगतान एक जनवरी 2026 की तिथि से दिया जाएगा। इस प्रकार मई की सैलरी के साथ बकाया आने की भी घोषणा की गई है। इस संबंध में सरकार के अपर मुख्य सचिव ने जानकारी दी।

रिटायर होने वाले कर्मियों को नकद भुगतान

अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार की ओर से जारी आदेश में रिटायर होने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों के लिए अलग इंतजाम किए गए हैं। आदेश के तहत जिन अधिकारियों–कर्मचारियों की सेवाएं इस शासनादेश के जारी होने की तिथि से पहले समाप्त हो गयी होंगी अथवा जो अधिकारी–कर्मी 1 जनवरी, 2026 से शासनादेश जारी होने की तिथि के बीच रिटायर हुए होंगे।

ईरान जंग पर ट्रम्प नेतन्याहू में टकराव

● अमेरिका डील चाहता है, इजराइल का युद्ध से किनारा

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू चाहते हैं कि ईरान पर हमले जारी रहें, जबकि ट्रम्प फिलहाल बातचीत और डील को मौका देना चाहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक फोन पर बातचीत हुई। अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि नेतन्याहू ने ट्रम्प से कहा कि ईरान पर प्रस्तावित हमले रोकना गलती है और सैन्य कार्रवाई जारी रहनी चाहिए। ट्रम्प ने बताया था कि अमेरिका हमले नहीं करेगा।

ट्रम्प बोले- ईरान की नेवी और एयरफोर्स खत्म

यूएस कोस्टगार्ड एकेडमी में ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान की नौसेना और वायुसेना लगभग खत्म हो चुकी है। उन्होंने कहा कि अब सवाल सिर्फ यह है कि अमेरिका आगे पूरी कार्रवाई करेगा या ईरान समझौता करेगा। आईआरजीसी ने दावा किया कि पिछले 24 घंटे में 26 जहाज ईरानी मंजूरी के बाद होर्मुज स्ट्रेट से गुजरे। इनमें तेल टैंकर और कॉमर्शियल जहाज शामिल थे। जिन्हें नहीं रोका गया।

नीट पेपर लीक केस

लातूर से डॉक्टर गिरफ्तार

● बेटे के लिए गेस पेपर खरीदा था, अब सीबीआई के शिकंजे में

मुख्य आरोपी 'एम सर' स्कूल और कॉलेज खोलने वाला था

लातूर (एजेंसी)। नीट पेपर लीक में सीबीआई ने महाराष्ट्र के लातूर से एक डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि डॉ मनोज शिरुरे ने बेटे के लिए नीट कोचिंग के संचालक और आरोपी शिवराज मोटेगांवकर उर्फ 'एम सर' से गेस पेपर खरीदे थे। सीबीआई ने बुधवार को पुणे में पूछताछ के बाद अरेस्ट कर लिया। जानकारी आज सामने आई है। इस मामले में किसी पेरेंट्स की यह पहली गिरफ्तारी है। नीट पेपर लीक में यह 11वीं गिरफ्तारी है। इससे पहले महाराष्ट्र से 6, राजस्थान से 3 और हरियाणा से एक व्यक्ति को अरेस्ट किया। इनमें 2 महिलाएं भी हैं। उधर, इस मामले में लगातार नए खुलासे भी हो रहे हैं। सीबीआई जांच में पता चला है कि शिवराज लातूर में 8 एकड़ जमीन पर स्कूल-कॉलेज खोलने की तैयारी में था। नीट कोचिंग के संचालक शिवराज लातूर के खोपेगांव शिवार में 8 एकड़ जमीन पर स्कूल-कॉलेज खोलने की तैयारी में था। वहां बहुमंजिला इमारत का निर्माण तेजी से चल रहा था। सीबीआई उसके फंडिंग स्रोत, जमीन खरीद और आर्थिक लेनदेन की भी जांच कर रही है। एजेंसी ने उसकी पत्नी और बेटे से भी पूछताछ की है।

गिरोह पहले टोकन मनी लेता था

जांच एजेंसी को यह भी पता चला है कि गिरोह ने गेस पेपर को 5 से 50 लाख रुपए तक बेचा। यह गिरोह पेपर देने से पहले छात्र के परिवार की आर्थिक स्थिति देखते थे। इसके बाद रकम तय की जाती थी। सिर्फ टोकन मनी ली जाती थी। इसके लिए ब्लैंक चेक और छात्रों के डॉक्यूमेंट रख लेते थे। डील यह थी कि आंसर–की आने के बाद अगर यह साबित हो जाए कि दिया गया 'क्वेश्चन बैंक' असली पेपर से मेल खाता है, तब बाकी रकम ली जाएगी। परीक्षा के बाद कई परिजन ने पैसे देने से इनकार करना शुरू कर दिया। उनका कहना था कि फिजिक्स के कुछ सवाल मेल नहीं खा रहे। कुछ ने आधी रकम दी और बाकी रिजल्ट के बाद देने की बात कही।

● तमिलनाडु में कांग्रेस विधायक ने शपथ में राहुल जिंदाबाद कहा

गवर्नर ने टोका, बोले-ये शपथ का हिस्सा नहीं, विजय कैबिनेट में 23 मंत्री शामिल

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में विजय सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार में गुरुवार को फिर विवाद हो गया। कांग्रेसी विधायक राजेश कुमार ने शपथ के दौरान 'कामराज अमर रहें', 'राजीव गांधी अमर रहें' और 'जननायक राहुल गांधी जिंदाबाद' कहा। इस पर गवर्नर राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने टोक दिया। गवर्नर ने कहा- ये आपकी शपथ का हिस्सा नहीं है। वहीं, दूसरा विवाद तमिल गीत बजाने को लेकर भी हुआ। समारोह में तमिलनाडु का राज्य गीत 'तमिल थाई वाझ्थु' सबसे आखिर में बजाया गया।

कांग्रेसी विधायक राजेश कुमार ने लगाए नारे

किलियूर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक दल के नेता एस राजेश कुमार ने शपथ मंत्री पद की शपथ ली। उन्होंने 'कामराज अमर रहें', 'भारत रत्न राजीव गांधी अमर रहें' और 'जननायक राहुल गांधी जिंदाबाद' के नारे लगाए। इस पर राज्यपाल ने मुस्कुराते हुए कहा, 'यह आपकी शपथ का हिस्सा नहीं है।' राजेश कुमार भी मुस्कुराए और इसके बाद शपथ दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने चले गए।

सूखे की आहट!

● सुपर अल-नीनो से डराने वाले संकेत

भारत में कहीं सूखा तो कहीं बाढ़ की आहट

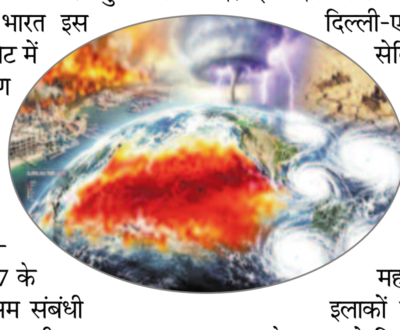

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के अधिकांश हिस्सों में पारा 45 से 48 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत इस समय भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। आने वाले दिनों में इस भीषण गर्मी और लू से राहत मिलने के आसार नहीं दिख रहे हैं। दरअसल, वैज्ञानिकों की मानें तो भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में एक शक्तिशाली सुपर अल-नीनो आकार ले रहा है, जो 1877 के बाद की सबसे विनाशकारी मौसम संबंधी घटना साबित हो सकता है। इसका सीधा असर भारत पर भी देखने को मिलेगा, क्योंकि अल-नीनो भारत की लाइफलाइन कहे जाने वाले दक्षिण-पश्चिम मानसून को भी प्रभावित करने वाला है।

तेजी से बढ़ रहा तापमान, हर ओर त्राहिमाम– देश इन दिनों भीषण गर्मी से जूझ रहा है। बुधवार को दिल्ली-एनसीआर में पारा 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया, अहमदाबाद और नागपुर जैसे शहरों में पारा 41 से 43 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, और उत्तर प्रदेश के बांदा में लगातार दूसरे दिन तापमान 47 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। यही नहीं महाराष्ट्र के विदर्भ जैसे दक्षिणी इलाकों में भी भीषण गर्मी पड़ रही है। भारत के एक बड़े हिस्से में भीषण गर्मी का खतरा बना हुआ है, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश के कई हिस्सों में लू से लेकर भीषण लू चलने की चेतावनी जारी की है।

1877 की घटना से भी भयंकर हो सकते हैं हालात

मौसम विशेषज्ञ इसे प्रशांत महासागर में बन रहे सुपर एल–नीनो से जोड़ रहे हैं। अल नीनो का संबंध दक्षिण–पश्चिम मानसून से है, जिसके कारण मानसून पर निश्चित रूप से संकट बढ़ेगा। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यह मौसम संबंधी घटना 1877 की घटना से भी बदतर हो सकती है, जिसके कारण उस समय वैश्विक आबादी के लगभग चार प्रतिशत तक लोगों की व्यापक मृत्यु हुई थी। यानी यह अल नीनो लगभग 150 साल पुराने रिकार्ड को तोड़ सकता है। अल–नीनो एक मौसम संबंधी प्राकृतिक जलवायु घटना है, यह घटना पूर्वी प्रशांत सागर में समुद्र का तापमान सामान्य से अधिक होने पर बनती है। एल–नीनो के असर से पूर्वी प्रशांत महासागर की सतह का पानी असामान्य रूप से गर्म हो जाता है। इस गर्मी से वैश्विक पवन पैटर्न कमजोर या परिवर्तित हो जाते हैं, जिससे एक श्रृंखला प्रतिक्रिया शुरू हो जाती है जो दुनिया भर की मौसम प्रणालियों को बाधित करती है। पूर्वी प्रशांत महासागर की सतह का पानी असामान्य रूप से गर्म होने के साथ पूर्व की ओर बढ़ने लगता है, जिससे भारत के मौसम पर असर पड़ता है। ऐसी स्थिति में भयानक गर्मी का सामना करना पड़ता है और सूखे के हालात बनने लगते हैं। यह घटना आमतौर पर हर दो से सात साल में घटित होती है और एक साल तक चल सकती है।

● 7.20 पर जिंदा ऊपर गई, 8.20 पर नीचे आई लाश

एफआईआर में मौत का वक्त 10,50 हैरान कर रही कहानी

भोपाल (एजेंसी)। पूर्व मॉडल और एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत का मामला अब पूरी तरह से एक उलझी हुई मर्डर मिस्ट्री में तब्दील हो चुका है। बुधवार को भोपाल की एक अदालत में सुनवाई के दौरान मृतका के वकील ने पुलिस तफ्तीश और एम्स की पोस्टमार्टम प्रक्रिया की धज्जियां उड़ाकर रख दीं। कोर्ट में वो सवाल उठाए गए, जिन्होंने यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या 12 मई की रात को छत पर जो हुआ, क्या उसे दबाने की कोशिश की जा रही है।

सीसीटीवी ने उड़ाई पुलिस की नींद– केस में सबसे बड़ा और सनसनीखेज मोड़ सीसीटीवी फुटेज की टाइमिंग से आया है। कोर्ट में दी गई दलील के मुताबिक, 12 मई की शाम 7,20 बजे ट्विशा को जिंदा सीढ़ियों से ऊपर छत की तरफ जाते देखा गया।

● **पोस्टमार्टम से गायब थी बेल्ट, हाइट भी बदली–** ट्विशा के वकील ने एम्स भोपाल की पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर भी गंभीर उंगलियां उठाई हैं। कोर्ट को बताया गया कि जिस बेल्ट से फंदा लगाने का दावा किया जा रहा है, उसे समय पर अस्पताल भेजा ही नहीं गया। ऐसे में डॉक्टरों ने गले के निशानों का मिलान कैसे किया। यही नहीं, पुलिस की केस डायरी और एम्स की पीएम रिपोर्ट में ट्विशा की लंबाई में भी अंतर पाया गया है। इसके अलावा, एफआईआर में ट्विशा की उम्र एक जगह 1987 के हिसाब से लिखी है।

13 साल की बच्ची की 42 वर्षीय युवक से शादी

● पोते की शादी के लिए कर दिया खुद की पोती का सौदा

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के रंगवासा क्षेत्र से बाल विवाह का मामला सामने आया है। यहां पारिवारिक रिश्तों के ताने-बाने और सामाजिक दबाव के चलते एक 13 साल की बच्ची की शादी जबरन 42 साल के युवक से करा दी गई। राऊ पुलिस ने बुधवार को दूल्हे, उसके परिजन और बच्ची के दादा-दादी सहित कुल 13 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी रजनीश सिन्हा ने बताया कि यह पूरा मामला एक शर्त और पारिवारिक दबाव के कारण हुआ। रंगवासा निवासी बुजुर्ग दादा को अपने 19 साल के पोते के लिए बहू लाना थी।

रात में उज्जैन ले जाकर रचाया ब्याह– इस बाल विवाह की भनक महिला एवं बाल विकास विभाग को पहले ही लग गई थी। 25 अप्रैल को होने वाले इस विवाह को लेकर फ्लाइंग स्क्वाड की टीम ने दोनों पक्षों को बुलाकर समझाइश दी थी, जिसके बाद परिजन ने लिखित आश्वासन दिया था कि वे शादी नहीं करेंगे। 26 अप्रैल की रात को लड़के वाले इंदौर आए और बच्ची को ले गए।

पीओके में आतंकी हमजा बुरहान की गोली मारकर हत्या

● पुलवामा हमले का मास्टरमाइंड था, आतंकी जाकिर मूसा-बुरहान वानी का करीबी था

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पुलवामा आतंकी हमले में शामिल आतंकी हमजा बुरहान की पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। मुजफ्फराबाद के कॉलेज के बाहर अज्ञात हमलावरों ने उस पर कई गोलियां चलाईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। भारत ने 2022 में हमजा बुरहान को यूएपीए के तहत आतंकी घोषित किया था। वह अबू दुजाना, अबू कासिम, बुरहान वानी और जाकिर मूसा का करीबी था। उसे 2019 के पुलवामा आतंकी हमले के मास्टरमाइंड्स में से एक माना जाता था, इस हमले में 40 जवान शहीद हुए थे।

भारत से पाकिस्तान गया, फिर आतंकी संगठन से जुड़ा– सरकार के मुताबिक, अर्जुमंद गुलजार डार उर्फ हमजा बुरहान उर्फ डॉक्टर पुलवामा के रत्नीपोरा इलाके का रहने वाला था। 23 साल का हमजा, आतंकी संगठन अल बद्र से जुड़ा हुआ था। अल बद्र को सरकार ने आतंकवादी संगठन घोषित किया हुआ है। वह कानूनी तरीके से पाकिस्तान गया था। वहां जाकर वह अल बद्र में शामिल हो गया और बाद में संगठन का सक्रिय आतंकी और कमांडर बन गया। अभी वह पाकिस्तान से ही काम कर रहा था। उस पर आरोप है कि वह युवाओं को अल बद्र में शामिल होने के लिए उकसाता था और फंडिंग भी करता था। 2020 में जवानों पर ग्रेनेड हमले किए थे।

पुलवामा अटैक में 40 सीआरपीएफ जवान शहीद हुए थे

14 फरवरी 2019 को जम्मू–कश्मीर के पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर आत्मघाती आतंकी हमला हुआ था। श्रीनगर–जम्मू हाईवे पर लेथपोरा इलाके में जैश–ए–मोहम्मद के आतंकी आदिल अहमद डार ने विस्फोटकों से भरी बसों से टकरा दी थी। धमाका इतना जबरदस्त था कि दो बसों के परखच्चे उड़ गए और 40 जवान शहीद हो गए। जांच में सामने आया कि हमले से पहले सुरक्षा एजेंसियों को कई इंटेलीजेंस इनपुट मिले थे, लेकिन आतंकी साजिश को रोका नहीं जा सका। बाद में एनआईए ने अपनी चार्जशीट में मसूद अजहर को मास्टरमाइंड बताया था।

एअर इंडिया की दिल्ली-बेंगलुरु फ्लाइट रनवे से टकराई

नई दिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया की दिल्ली से बेंगलुरु जा रही फ्लाइट एआई 2651 गुरुवार को लैंडिंग के दौरान रनवे से टकरा गई। फ्लाइट के पीछे का हिस्सा जमीन से टच हो गया। घटना को एविएशन भाषा में 'टेल स्ट्राइक' कहा जाता है। फ्लाइट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं, जिसमें उसके निचले हिस्से पर स्क्रैच दिख रहा है। फ्लाइट को सुरक्षित तरीके से उतार लिया गया। घटना में किसी यात्री या क्रू सदस्य के घायल होने की सूचना नहीं है। सभी को बाहर निकाल लिया गया है। घटना के बाद विमान को जांच के लिए ग्राउंड कर दिया गया है। एयरलाइन और एयरपोर्ट अधिकारियों ने सुरक्षा जांच शुरू कर दी है। नागरिक उड्डयन नियामक को भी घटना की जानकारी दी गई है। बेंगलुरु से दिल्ली जाने वाली वापसी फ्लाइट एआई 2652 रद्द कर दी गई है।

बदलेगा केदारघाटी और जोशीमठ का नक्शा

– राज्य अतिथि गृह और मल्टीलेवल पार्किंग परियोजनाओं को मिली रफ्तार, मुख्यमंत्री के निर्देश पर हुई उच्चस्तरीय समीक्षा

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में राज्य के पर्यटन और आधारभूत ढांचे को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में सचिव आवास एवं राज्य संपत्ति डॉ. आर. राजेश कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को सचिवालय में दो अहम परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठकों में रुद्रप्रयाग जनपद के रतूड़ा गांव में प्रस्तावित राज्य अतिथि गृह तथा चमोली जिले के जोशीमठ के रविग्राम में प्रस्तावित मल्टीलेवल पार्किंग परियोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों को परियोजनाओं को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाने और आवश्यक सुधारों के साथ संशोधित प्रस्ताव शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

रतूड़ा में बनेगा आधुनिक पहाड़ी शैली का राज्य अतिथि गृहः बैठक में रुद्रप्रयाग जनपद के ग्राम रतूड़ा में प्रस्तावित राज्य अतिथि गृह की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पर विचार-विमर्श किया गया। करीब 34.29 करोड़ रुपये लागत वाली इस परियोजना को मुख्यमंत्री घोषणा से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्य बताया गया। प्रस्तुतीकरण के दौरान सचिव राज्य संपत्ति डॉ. राजेश कुमार ने कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि भवन का डिजाइन पारंपरिक पहाड़ी वास्तुकला को ध्यान में रखते हुए तैयार किया जाए ताकि स्थानीय संस्कृति और आधुनिक सुविधाओं का बेहतर समन्वय दिखाई दे। उन्होंने कहा कि अतिथि गृह में 20 आधुनिक कक्षों के साथ दो वीवीआईपी सुइट और आवश्यक घरेलू सुविधाओं का समुचित प्रावधान सुनिश्चित किया जाए।

इसके अलावा परियोजना को अधिक उपयोगी और आकर्षक बनाने के लिए जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक संशोधन किए जाएं। बैठक में विद्युत कार्यों की अलग डीपीआर तत्काल प्रस्तुत करने तथा सभी आवश्यक सुविधाओं को शामिल करते हुए संशोधित आगणन शीघ्र शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए।

केदारनाथ यात्रा क्षेत्र को मिलेगा नया लाभः रतूड़ा क्षेत्र में आधुनिक सुविधाओं से युक्त राज्य अतिथि गृह बनने से केदारनाथ यात्रा मार्ग और आसपास के पर्यटन क्षेत्रों में आने वाले विशिष्ट अतिथियों, अधिकारियों तथा पर्यटकों को बेहतर आवासीय सुविधाएं मिल सकेंगी। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की संभावना है। राज्य सरकार इस परियोजना को पर्यटन अवसंरचना के विस्तार की दृष्टि से महत्वपूर्ण मान रही है।

जोशीमठ में पार्किंग संकट दूर करने की तैयारीः दूसरी बैठक में चमोली जिले के जोशीमठ स्थित रविग्राम में प्रस्तावित मल्टीलेवल पार्किंग परियोजना की समीक्षा की गई। औली देश-विदेश के पर्यटकों का प्रमुख आकर्षण केंद्र है और वर्षभर बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं। बढ़ती वाहनों की संख्या के कारण जोशीमठ और औली क्षेत्र में यातायात दबाव लगातार बढ़ रहा है। इसी समस्या के समाधान के लिए लगभग 5.69 करोड़ रुपये लागत से मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया गया है। बैठक में बताया गया कि परियोजना के तहत लोअर ग्राउंड स्तर पर 51 तथा ग्राउंड फ्लोर पर 46 वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था प्रस्तावित है। इस प्रकार कुल 97 कारों के लिए पार्किंग सुविधा विकसित की जाएगी। पार्किंग परिसर तक पहुंचने के लिए सात मीटर चौड़ा मार्ग प्रस्तावित किया गया है। चयनित भूमि राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है तथा उसे जिला विकास प्राधिकरण के पक्ष में हस्तांतरित करने की प्रक्रिया जारी है।

सुरक्षा और सुगमता पर विशेष जोरः परियोजना पर विस्तृत चर्चा के बाद सचिव आवास विभाग डॉ. राजेश कुमार ने पार्किंग परिसर तक पहुंचने वाले मार्ग को और अधिक सुविधाजनक बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने मार्ग की चौड़ाई एक से दो मीटर तक बढ़ाने और प्रवेश तथा निकास मार्गों को अलग-अलग करने के लिए बैरिकेडिंग की व्यवस्था विकसित करने को कहा। इससे यातायात संचालन अधिक व्यवस्थित और सुरक्षित हो सकेगा। साथ ही जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण को निर्देशित किया गया कि चयनित भूमि के हस्तांतरण की प्रक्रिया एक माह के भीतर पूरी कर शासन को अवगत कराया जाए।

संक्षिप्त समाचार

मौसम विभाग ने किया आगामी 48 घंटों के लिए हीट वेव (लू) का अलर्ट जारी

देहरादून। दून समेत अन्य जिलों में लगातार बढ़ रहे तापमान और भीषण गर्मी के मद्देनजर मौसम विभाग ने आगामी 48 घंटों के लिए हीट वेव (लू) का अलर्ट जारी किया है । विशेषज्ञों ने दोपहर 11 बजे से शाम 4 बजे तक अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलने की बात कही है। मौसम विभाग के अनुसार देहरादून, हरिद्वार, पौड़ी, उधम सिंह नगर, नैनीताल और उत्तरकाशी के मैदानी इलाकों में पारा 40 डिग्री और पर्वतीय क्षेत्रों में 30 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है।वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस.के. झा ने विशेषकर बच्चों, बुजुर्गों और कामकाजी लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। दोपहर 11 बजे से शाम 4 बजे तक अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें। जरूरी काम होने पर सिर को छाते या सूती कपड़े से ढककर ही बाहर जाएं।दिनभर पर्याप्त पानी, नींबू पानी, छाछ और मौसमी फलों का सेवन करें। चक्कर आने, सिरदर्द, तेज बुखार या उल्टी जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत अस्पताल से संपर्क करें।

आपातकाल के लिए जारी हुए हेल्पलाइन नंबर

जिला प्रशासन ने आपातकालीन परिचालन केंद्र को सक्रिय कर दिया है। किसी भी सहायता या शिकायत के लिए नागरिक हेल्पलाइन नंबर 2726066, 2626066 या व्हाट्सएप नंबर 7534826066 पर संपर्क कर सकते हैं।

बागेश्वर के जंगलों में आग ही आग

बागेश्वर। बागेश्वर जिले के जंगल इन दिनों आग की चपेट में हैं। गुरुवार को जिले के छह स्थानों पर जंगलों में भीषण आग भड़क गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, जबकि कई स्थानों पर वन विभाग की टीम भी मुस्तैद रही। आग से उठ रहे धुएं और धुंध के कारण लोगों की परेशानी बढ़ गई है। फायर सीजन को देखते हुए पुलिस अधीक्षक जितेंद्र मेहरा ने जिले की सभी फायर यूनिटों को आपात स्थिति से निपटने और वनाग्नि की घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। फायर टीम बागेश्वर ने भूमियाधार और चंडिका रोड क्षेत्र में लगी आग को रिहायशी इलाकों तक पहुंचने से पहले नियंत्रित किया।

सेलखोला गांव में दिन–दहाड़े धमका गुलदार

बागेश्वर। कत्यूर घाटी में गुलदार का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार को ग्राम पंचायत मटेना के सेलखोला गांव में दिनदहाड़े गुलदार दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। महिलाओं और ग्रामीणों ने बमुश्किल भागकर अपनी जान बचाई। सामाजिक कार्यकर्ता रेवाधर कांडपाल ने बताया कि गुलदार सेलखोला और जिनखोला गांव के बीच स्थित गधेरे के पास देखा गया। इसी रास्ते से ग्रामीण गांव आते–जाते हैं। उस समय महिलाएं खेतों से और ग्रामीण बाजार से लौट रहे थे। अचानक गुलदार दिखाई देने पर लोगों में अफरा–तफरी मच गई। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ दिनों पहले भी गुलदार जिनखोला गांव में देखा गया था।

एक साल पुराने अजय भटेजा हत्याकांड में सहारनपुर का सुपारी किलर जैकी गिरफ्तार

देहरादून। राजपुर थाना क्षेत्र के कृष्णा विहार, जाखन में पिछले साल हुए चर्चित कॉटेज कारोबारी अजय भटेजा (54 वर्ष) हत्याकांड की गुत्थी गुरुवार को सुलझ गई। दून पुलिस ने हत्याकांड में सहारनपुर के कुख्यात सुपारी किलर राजन उर्फ जैकी को मुजफ्फरनगर के खालापार से गिरफ्तार किया है। आईजी रेंज राजीव स्वरूप और एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने खुलासा करने वाली टीम को इनाम देने की घोषणा की है। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने बताया कि पिछले साल 26 मई को जाखन स्थित आवास में अजय का शव मिला था। शव आधा बिस्तर और आधा जमीन पर लटका हुआ था। मौत से पहले अजय की नाक से खून बहा था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह साफ न होने पर आत्महत्या की तरफ मोड़ा गया। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने गुरुवार को खुलासा करते हुए बताया कि मृतक के सौतेले भाई अमित भटेजा ने हत्या कराई।

अमित अपने भाई की देहरादून और मसूरी स्थित बेशकीमती संपत्तियों पर कब्जा करना चाहता था। उसने इसके लिए शातिर अपराधी जैकी को लालच दिया कि हत्या के बाद वह जाखन वाली प्रापर्टी का आधा हिस्सा उसे दे देगा। साथ ही, सहारनपुर के एक पुराने गोलीकांड में पुलिस से बचाने में मदद करने का भी वादा किया।तब 25 मई को जैकी अपनी प्रेमिका हुमेरा उर्फ जोया के साथ देहरादून अजय के घर पहुंचा। साजिश के तहत अजय को जोया की मदद से खूब शराब पिलाई गई। जब वह नशे में पूरी तरह धुत हो गया तो जैकी ने तकिये से उसका मुंह दबाकर उसे मौत की नींद सुला दिया। शातिर शूटर ने शव को पंखे से लटकाने की कोशिश भी की।

फंदा तो बनाया। पर जल्दबाजी में लटकाने में नाकाम रहा। पुलिस हत्या को अंजाम देने के आरोपी जैकी उर्फ राजन उम्र 36 वर्ष पुत्र शिवलाल निवासी उमाही कलां थाना रामपुर मनिहारन जिला सहारनपुर को गिरफ्तार कर लिया गया। हत्या में शामिल उसकी प्रेमिका हुमेरा और सूत्रधार अमित भटेजा फरार है।

एसआईआर में आवासीय सोसायटी और मुहल्लों में लगेंगे विशेष कैंप

देहरादून। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ.बी.वी.आर. सी. पुरुषोत्तम की अध्यक्षता में गुरुवार को आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के दृष्टिगत सचिवालय में सभी जनपदों के जिलाधिकारियों, ईआरओ, एईआरओ के साथ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी एसआईआर को लेकर जनपदों की तैयारियों और प्रशिक्षण को लेकर विस्तृत जानकारी ली। बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि जिन जनपदों में बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की तैनाती शत प्रतिशत नहीं हुई है वहां जिलाधिकारी तत्काल राजनैतिक दलों से इस सम्बंध में बैठक कर बीएलए की तैनाती करवाएं। इसके अतरिक्त जहां बीएलए की तैनाती हो गई है वहां बीएलए का भी प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. पुरुषोत्तम ने निर्देश दिए जिन जनपदों में बड़ी आवासीय सोसायटीज हैं वहां नोडल अफसर तैनात कर कैंम्प लगाने हेतु रोस्टर तैयार किए जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि बीएलओ हाउस टू हाउस विजिट के दौरान अनिवार्य रुप से ईसीआई का आईडी कार्ड पहनकर ही क्षेत्र में जाए। बैठक में प्रशिक्षण मॉड्यूल का भी विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया। बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी जनपदों के गणना प्रपत्र के प्रिंटिंग, लॉजिस्टिक एवं डिस्टिव्यूशन प्लान का भी फीडबैक लिया।

इस दौरान अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय कुमार जोगदंडे, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रकाश चन्द्र दुम्का, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी किशन सिंह नेगी, सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास सहित सभी जनपदों के जिलाधिकारी वर्चुअल रुप से जुड़े रहे।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर श्रमदान और सफाई का संदेश दिया

उत्तरकाशी। जिला कांग्रेस कमेटी उत्तरकाशी ने गांधी वाचनालय में पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं ने राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हनुमान मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर श्रमदान किया और सफाई का संदेश दिया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह रावत ने किया। इस दौरान पूर्व दर्जाधारी घनानंद नौटियाल, शीशपाल पोखरियाल, पपेंद्र नेगी, दिनेश गौड़, विजेंद्र नौटियाल, कनकपाल सिंह परमार, कमल सिंह रावत, कविता जोगेला, एकादशी देवी, मधु रावत, मनीष, सुधीश पंवार आदि थे।
वहीं पुरोला में पालिकाध्यक्ष बिहारी लाल शाह ने कहा कि राजीव गांधी ने देश को आधुनिक तकनीक और दूरसंचार क्रांति की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष बिहारी लाल शाह, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष धीरेंद्र नेगी, अंकित चौहान, भूपाल गुसाईं मौजूद थे।

अतिक्रमण हटाने पहुंची रेलवे टीम का घेराव

हरिद्वार। भारतीय रेलवे द्वारा टीबडी चौराहे और विवेक विहार कॉलोनी क्षेत्र में गुरुवार को चलाए गए अतिक्रमण हटाओ अभियान का स्थानीय लोगों ने विरोध किया। विरोध के चलते रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्रवाई बीच में रोकनी पड़ी। हालात तनावपूर्ण होने पर मौके पर पुलिस बल भी तैनात किया गया। लोगों को 10 दिन का समय देते हुए अभियान स्थगित कर दिया गया। गुरुवार को सुबह रेलवे अधिकारी और कर्मचारी जेसीबी मशीन के साथ टीबडी चौराहे के पास अतिक्रमण हटाने पहुंचे थे। कार्रवाई की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर एकत्र हो गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। लोगों ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भी मौके पर बुला लिया। इस दौरान विवेक भूषण विक्की, अमन गर्ग, कैश खुराना, पारितोष त्यागी, विवेक जकारिया और हिमांशु बहुगुणा भी मौके पर पहुंच गए। विरोध बढ़ने पर रेलवे टीम को पहली बार जेसीबी लेकर वापस लौटना पड़ा। हालांकि दोपहर करीब दो बजे अधिकारी दोबारा मौके पर पहुंचे और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की, लेकिन स्थानीय लोगों ने फिर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

निजी अस्पताल में ऑपरेशन में लापरवाही का आरोप, हंगामा

रुड़की। शहर के एक निजी अस्पताल में गर्भवती महिला के परिजनों ने ऑपरेशन में लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा किया। आरोप लगाया कि गलत उपचार और ऑपरेशन में अनियमितता के कारण महिला की हालत गंभीर बनी हुई है और वह जिंदगी–मौत के बीच जूझ रही है। बहादराबाद क्षेत्र के सलेमपुर निवासी राजकुमार अपनी 23 वर्षीय पत्नी मोनी को तबीयत खराब होने पर निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। परिजनों का कहना है कि चिकित्सकों ने अल्ट्रासाउंड कराने के बाद गर्भ खराब होने की बात कही और तत्काल ऑपरेशन की सलाह दी। आरोप है कि 13 मई को ऑपरेशन कर दिया गया और तीन दिन बाद महिला को डिस्चार्ज कर घर भेज दिया गया।

कुलदीप सिंह हत्याकांड के दोषी को आजीवन कारावास

रुद्रपुर। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश आरके श्रीवास्तव की अदालत ने वर्ष 2022 के चर्चित कुलदीप सिंह हत्याकांड में दोषी बलजीत सिंह उर्फ सोनू को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 10 हजार रूपये का अर्थदंड भी लगाया। एडीजीसी दीपक कुमार अरोड़ा ने बताया कि गांव फुलैया निवासी निर्मल सिंह ने मामले में दी तहरीर में कहा था कि सात मार्च 2022 को उनका बेटा कुलदीप सिंह खेत पर ट्रैक्टर ट्रॉली लेकर गन्ना भरने गया था। उसी दौरान गांव गोगी, नानकमत्ता निवासी हरविंदर सिंह खेत जोत रहा था, जबकि नत्थू लाल तलवार और बलजीत सिंह उर्फ सोनू तमंचा लेकर मौके पर मौजूद थे। आरोप है कि कुलदीप सिंह के खेत के पास पहुंचते ही तीनों ने उस पर हमला कर दिया। इसके बाद बलजीत सिंह ने तमंचे से फायर कर दिया। गोली लगने के बाद कुलदीप जान बचाकर भागने लगा, लेकिन आरोपियों ने उस पर लगातार फायर किए, जिससे उसकी मौत हो गई। अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत में 13 गवाह पेश किए गए।

हवालबाग क्षेत्र पंचायत की बैठक में हंगामा

अल्मोड़ा। हवालबाग क्षेत्र पंचायत की बैठक गुरुवार को ब्लॉक प्रमुख हिमानी कुंडू की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में बिजली, पानी, सड़क और ग्रामीण विकास से जुड़े मुद्दों पर जमकर चर्चा हुई। पूर्व बैठकों में उठाई गई समस्याओं के समाधान नहीं होने पर जनप्रतिनिधियों ने नाराजगी जताते हुए विभागीय अधिकारियों को घेरा। बैठक शुरू होने से पहले परियोजना निदेशक केएन तिवारी ने सदन को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम–2026 की जानकारी दी। इसके अलावा भारत निर्वाचन आयोग की एसआईआर प्रक्रिया के संबंध में भी जानकारी देते हुए बीएलओ को सहयोग करने की अपील की गई, ताकि कोई पात्र व्यक्ति मतदाता सूची से वंचित न रहे। बैठक में सबसे अधिक मुद्दे पेयजल व्यवस्था को लेकर उठे। तलाड़बाड़ी, देवलीखान, गोलना करड़िया और स्यूरा और भनरगांव के प्रधानों ने गांवों में पानी की समस्या को प्रमुखता से रखा। देवलीखान की प्रधान ने कहा कि यदि जल्द जलापूर्ति व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो वह पद से इस्तीफा दे देंगी। कृषि विभाग की योजनाओं में ऑनलाइन माध्यम से कृषि टूलकिट वितरण प्रणाली पर प्रधानों ने आपत्ति जताई। खाद्य आपूर्ति विभाग से राशन कार्डों में नाम काटे जाने और नई यूनिट नहीं जुड़ने के मामलों को भी सदन में उठाया गया। विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर भी जनप्रतिनिधियों ने नाराजगी जताई। ग्राम प्रधान अथरबनी ने ट्रांसफार्मर की सुरक्षा दीवार और घरों के ऊपर से गुजर रही बिजली लाइन हटाने की मांग दोहराई, लेकिन अधिशासी अभियंता ने शासनादेश का हवाला देते हुए समस्या के समाधान से इनकार कर दिया। ग्राम प्रधान स्यूरा प्रमोद जोशी ने धोतीगाढ़ मोटर मार्ग के डामरीकरण का मुद्दा उठाया।

18 जून को होगा एसएसजे विश्वविद्यालय का पहला दीक्षांत समारोह

अल्मोड़ा। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय का पहला दीक्षांत समारोह 18 जून को आयोजित किया जाएगा। गुरुवार को विश्वविद्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट ने समारोह की तिथि और तैयारियों से जुड़ी जानकारी साझा की। कुलपति प्रो. बिष्ट ने बताया कि महामहिम कुलाधिपति की स्वीकृति और निर्देशों के तहत विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समारोह में अल्मोड़ा की लोकसंस्कृति, कला, इतिहास, पुरातत्व, आध्यात्म और पर्यावरण की झलक देखने को मिलेगी, ताकि लोग अपनी सांस्कृतिक धरोहर से जुड़ाव महसूस कर सकें। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह से जुड़े सभी कार्यक्रमों में स्थानीय संस्कृति और परंपराओं को विशेष रूप से शामिल किया जाएगा। आयोजन की तैयारियों के लिए गठित समितियां अपने स्तर पर कार्य कर रही हैं और जल्द ही संबंधित अधिकारियों एवं सदस्यों की बैठक भी आयोजित की जाएगी। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे क्षेत्र के जनमानस से जुड़ा संस्थान है। विश्वविद्यालय को शोध, शिक्षा और अकादमिक गतिविधियों के क्षेत्र में उत्कृष्ट बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पत्रकार वार्ता के दौरान सोबन सिंह जीना परिसर स्थित मुख्य ऑडिटोरियम का नाम स्वामी विवेकानंद के नाम पर रखने की घोषणा भी की गई।

डीएम की पहल से दिव्यांग संजीव का कर्ज माफ

देहरादून। आर्थिक तंगी और लाचारी के आगे घुटने टेक चुके एक दिव्यांग परिवार के लिए जिला प्रशासन संकटमोचक बना है। जिलाधिकारी सविन बंसल ने ईस्ट पटेल नगर निवासी दिव्यांग संजीव कुमार को भारी–भरकम कर्ज से मुक्ति दिलाई है। साथ ही उनके रोजगार और बेटियों की शिक्षा का प्रबंध भी किया। प्रशासन के अनुसार संजीव कुमार ने वर्ष 2018 में मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान के लिए 50 हजार रुपये का लोन लिया था। शुरुआती किस्तें चुकाने के बाद वर्ष 2020 में कोरोना महामारी और लॉकडाउन के कारण उनका कारोबार ठप हो गया। वह बैंक को किस्तें नहीं दे पाए, जिसके चलते उत्तराखंड बहुउद्देशीय वित्त एवं विकास निगम ने 64,915 रुपये की आरसी काट दी। महज 3000 रुपये की मासिक पेंशन पर परिवार गुजारा कर रहा था। आरसी जारी होने के बाद पूरा परिवार मानसिक तनाव में था। संजीव की पत्नी भी 65% दिव्यांग हैं और उन पर तीन छोटी बेटियों की जिम्मेदारी है। मामले की गंभीरता और मानवीय पक्ष को देखते हुए जिलाधिकारी सविन बंसल ने सीएसआर फंड से संजीव की 64,915 रुपये की पूरी बकाया ऋण राशि जमा कराने के निर्देश दिए। डीएम के आदेश के बाद आरसी की कार्रवाई को निरस्त कराया।

दून में 24 को होगी सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा

देहरादून। दून में 24 मई को आयोजित होने वाली सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा–2026 को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। परीक्षा जनपद के 32 परीक्षा केंद्रों पर दो पाली में होगी। परीक्षा में कुल 12,545 परीक्षार्थी शामिल होंगे।वहीं, परीक्षा केंद्रों पर जैमर, सीसीटीवी, फेस ऑथेंटिकेशन एप समेत अन्य तैयारियों को परखने के निर्देश दिए गए।

परीक्षा के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सफल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए अपर जिलाधिकारी केके मिश्रा ने गुरुवार को सर्वे चौक स्थित आईआरडीटी ऑडिटोरियम में सभी जोनल मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, नोडल अधिकारी पुलिस, केंद्र व्यवस्थापक एवं संबंधित अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एडीएम ने कहा कि परीक्षा संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों को अपने–अपने परीक्षा केंद्रों का पूर्व में स्थलीय निरीक्षण करने तथा केंद्र व्यवस्थापकों के साथ समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए। एडीएम ने परीक्षा केंद्रों पर जैमर, सीसीटीवी कैमरे, फेस ऑथेंटिकेशन एप एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की सूक्ष्मता से जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बिजली चोरी के मामले में फैक्ट्री मालिक को छह माह की सजा

रुद्रपुर। वर्ष 2020 में केलाखेड़ा क्षेत्र में बिजली चोरी के मामले में अदालत ने फैक्ट्री मालिक को दोषी ठहराते हुए छह माह के साधारण कारावास की सजा सुनाई है।

विशेष सत्र न्यायाधीश सिकंदर कुमार त्यागी की अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलों और साक्ष्यों के अवलोकन के बाद यह फैसला सुनाया। जानकारी के अनुसार, 30 सितंबर 2020 को ऊर्जा निगम की सतर्कता टीम ने ग्राम रामनगर स्थित मैसर्स गुरुनानक पल्प बोर्ड गत्ता फैक्ट्री में छापेमारी की थी। अवर अभियंता योगेश कुमार और उपखंड अधिकारी फरमान हैदर जैदी के नेतृत्व में हुई जांच में फैक्ट्री परिसर में अवैध रूप से बिजली उपयोग किए जाने का खुलासा हुआ था।

'विकसित भारत' का मार्ग 'हरित भारत' से होकर गुजरता है : भूपेंद्र यादव

देहरादून। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने नई दिल्ली में भारतीय वन सेवा के मिड–करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों से संवाद किया। भारतीय वन सेवा के ये अधिकारी इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून में चल रहे एमसीटी (मिड–करियर प्रशिक्षण) में भाग ले रहे हैं। लाइन मिनिस्ट्रीज़ मॉड्यूल कार्यक्रम के अंतर्गत ये सभी अधिकारी पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के दौरे पर हैं। नई दिल्ली स्थित इन्दिरा पर्यावरण भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में भूपेंद्र यादव ने कहा कि 'विकसित भारत' का मार्ग 'हरित भारत' से होकर गुजरता है और उन्होंने वैश्विक संरक्षण प्रयासों में भारत की बढ़ती नेतृत्वकारी भूमिका को रेखांकित किया।

पर्यटन सीजन शुरु, बदहाल पड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग

कोटद्वार से गुमखाल के मध्य बदहाल स्थिति में पड़ा है राष्ट्रीय राजमार्ग

संकेतक व पैराफिट नही होने के कारण मार्ग का नही हो रहा अंदाजा

कोटद्वार दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर खाई में झाड़ियों के बीच गिरा संकेतक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : मैदान में भीषण गर्मी के कारण पर्यटक पहाड़ की सैर पर निकल रहे हैं। लेकिन, कोटद्वार से गुमखाल के मध्य बदहाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर्यटकों की परीक्षा ले रहा है। हालत यह है कि कहीं हाईवे की नींव दरक रही है तो कहीं संकेतक व पैराफिट नहीं होने के कारण मार्ग पर आने वाली चुनौतियों का पता नहीं चल पा रहा है। जबकि, इन दिनों हाईवे पर हाथियों की धमक भी बढ़ने लगी है। ऐसे में कब बड़ा हादसा हो जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता।

मई माह की शुरुआत के साथ ही मैदान में लगातार गर्मी का पारा चढ़ने लगा है। ऐसे में वीकेंट पर बड़ी संख्या में पर्यटक पहाड़ घूमने के लिए पहुंच रहे हैं। यही कारण है कि कोटद्वार से गुमखाल के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों का दबाव बढ़ने लगा है। लेकिन, बदहाल राष्ट्रीय राजमार्ग वाहन चालकों की चुनौती बढ़ा रहा है। दरअसल, वर्षा काल में अतिवृष्टि के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग जगह-जगह क्षतिग्रस्त हो गया था। हाईवे पर बीस से अधिक डेंजर जोन बन गए थे। साथ ही कई स्थानों पर राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा खोह नदी में समा गया था। कुछ माह पूर्व सरकारी सिस्टम ने कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य पुश्तों का निर्माण तो कर दिया लेकिन, अब भी कई स्थानों पर डेंजर जोन बने हुए हैं। सिद्धबली से आगे पुलिया पार करते ही हाईवे पर बड़े-बड़े गड्ढों से स्वागत हो रहा है। इससे कुछ दूर आगे चलते ही पैराफिट नहीं होने के कारण वाहन कब खोह नदी में समा जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता। लालपुल से करीब एक किलोमीटर आगे हाईवे का हिस्सा नीचे से दरक रहा है। आवागमन करने वालों ने उक्त स्थान पर पत्थर लगाए हुए हैं। बरसाती रपटे से करीब पांच सौ मीटर पहले से ही रास्ता बदहाल पड़ा हुआ है। पहाड़ी से पत्थर गिरने का डर बना है। साथ ही हाईवे पर मिट्टू व गड्ढे चुनौती बन रहे हैं। दोपहर के समय धूल उड़ने के कारण वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यहां से करीब दो किलोमीटर आगे आमसौड़ से पहले दो स्थानों पर राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग ने पुश्ते का निर्माण तो करवाया। लेकिन, हाईवे पर डामर नहीं बिछाया। नतीजा, हाईवे पर गड्ढे व मिट्टी बनी हुई है। यही स्थिति दुगड्डा से गुमखाल के बीच बनी हुई है। डेंजर जोन में कहीं भी पैराफिट व संकेतक नजर नहीं आ रहे। फ्रेकवाल से एक किलोमीटर आगे हाईवे का हिस्सा ढह गया था। वहीं, देवीखाल से करीब एक किलोमीटर पहले वर्षा काल के दौरान हाईवे का हिस्सा ढह गया था। जिसके मरम्मत का अब तक कोई सुध नहीं ली गई।

हाथी से बचाव को नहीं संकेतक

कोटद्वार से दुगड्डा के मध्य कई स्थानों पर हाथियों की धमक बढ़ गई है। दरअसल, भीषण गर्मी के कारण जंगल से निकलकर हाथी खोह नदी में पानी पीने के लिए पहुंचते है। ऐसे में मार्ग पर हाथियों से सुरक्षा के लिए चेतावनी बोर्ड तक नजर नहीं आ रहे हैं। जबकि, पूर्व में हाथियों का झुंड पर्यटकों को दौड़ा भी चुका है। ऐसे में पर्यटकों को स्वयं ही अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी होगी।

हाईवे पर अब तक हुए हादसे

1. 23 नवंबर 2025 को कोटद्वार दुगड्डा के मध्य आमसौड़ के समीप एक डंपर खाई में गिर गया था। हादसे में चालक की मौत हो गई थी

2. चार अगस्त 2025 को कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य तिलबाढ़ाम चैक पोस्ट के समीप पहाड़ी से एक बोल्डर मैक्स के ऊपर गिर गया था, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई थी। हालांकि, हादसे के बाद सिस्टम ने उक्त स्थान पर पहाड़ी से पत्थर गिरने का संकेतक लगा दिया था।

3. जून 2025 में आमसौड़ के समीप सड़क किनारे खड़े एक डंपर के ऊपर पहाड़ी से पत्थर गिर गया था, जिसमें डंपर में सवार व्यक्ति की मौत हो गई थी।

4. बीते वर्ष लालपुल के समीप एक कार अनियंत्रित होकर खोह नदी में गिर गई थी, जिसमें तीन युवकों की मौत हो गई थी।

5. दुगड्डा के समीप एक कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई थी, जिसमें नगीना तहसील में तैनात लेखपाल सहित दो युवकों की मौत हो गई थी।

सूरज से बरस रही आग, लगातार चढ़ रहा पारा

जयन्त प्रतिनिधि।

खोह नदी में डुबकी लगते लोग

कोटद्वार : कोटद्वार सहित आसपास के क्षेत्रों में पारा चालीस के आंकड़े को पार कर गया है। गुरुवार दोपहर क्षेत्र में बैरोमीटर का पारा चालीस डिग्री से ऊपर चला गया। एक ओर जहां सूर्य देव आग बरसा रहे हैं, वहीं जंगलों में लगी आग भीषण गर्मी में घी का काम कर रही है। पिछले दस दिन से लगातार गर्मी का पारा चढ़ता ही जा रहा है। सप्ताह भर पूर्व तक जहां अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेंटीग्रेड था, गुरुवार को तापमान 40 डिग्री सेंटीग्रेड को पार कर गया। सुबह से ही खिल रही तेज धूप ने आमजन को परेशान करना शुरू कर दिया है। दोपहर के समय धूप इतनी तेज है कि घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल होता जा रहा है। दोपहर के वक्त बाजार में सन्नाटा पसर रहा है। गर्मी से निजात के लिए खोह नदी में डुबकी लगा रहे हैं। भारी गर्मी के कारण जंगलों में भी लगातार आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं। गढ़वाल वन प्रभाग क्षेत्र में भी जंगल धधक रहे हैं। जंगलों में लगी आग से वातावरण में चारों ओर धुंध फैली हुई है।

खोह नदी में लगा रहे थे डुबकी, हाथी ने दौड़ाया

गर्मी से निजात के लिए खोह नदी में नहाने पहुंच रहे लोग लालपुल के समीप खोह नदी में पहुंचे हाथी को देख लगाई दौड़

कोटद्वार में हाईवे पर धमके हाथी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : यदि आप गर्मी से निजात के लिए खोह नदी में डुबकी लगाने पहुंच रहे हैं तो जरा सावधान हो जाएं। दरअसल, भीषण गर्मी के बीच हाथी भी अपनी प्यास बुझाने के लिए खोह नदी में पहुंच रहे हैं।

ऐसे में हाथी व इंसान के बीच आमना सामना कब भारी पड़ जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता। लालपुल के समीप खोह नदी में अचानक हाथी का झुंड धमक गया। नदी में नहा रहे युवकों ने भागकर अपनी जान बचाई। कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य खोह नदी का अधिकांश भाग जंगल से सटा हुआ है। यही कारण है कि आए दिन हाथी राष्ट्रीय राजमार्ग को पार कर खोह नदी तक पहुंचते हैं। ऐसे में भीषण गर्मी के बीच खोह नदी में डुबकी लगा रहे लोगों को खतरा हो सकता है। रविवार को उत्तर प्रदेश से पहुंचे कुछ युवक लालपुल के समीप खोह नदी में डुबकी लगा रहे थे। इसी दौरान अचानक एक हाथी झाड़ियों से निकलता हुआ नदी की ओर बढ़ने लगा।

मौके पर मौजूद एक युवक की नजर हाथी पर पड़ी तो उसने सभी को सचेत किया जिसके बाद युवक नदी से बाहर निकले और भागकर अपनी जान बचाई। इस तरक की घटनाएं पूर्व में भी कई बार सामने आ चुकी हैं। ऐसे में खोह नदी में नहाना मुसीबत खड़ी कर सकता है।

दूरी बनाकर रखें

इन दिनों गर्मी का पारा चढ़ता जा रहा है। ऐसे में हाथियों का झुंड जंगल से निकलकर खोह नदी में पानी पीने के लिए पहुंच रहे हैं। इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पार करते समय कई लोगों में हाथी की फोटो लेने की होड़ मची रहती है। उत्साहित होकर लोग हाथी के समीप तक पहुंच जाते हैं। साथ ही कई लोग हाथी को देखकर चिल्लाने लगते हैं या फिर वाहनों का हॉर्न बजाने लगते हैं। ऐसे में हाथी चिढ़ता है और वह हमला कर सकता है।

पुण्यतिथि पर राजीव गांधी को दी श्रद्धांजलि

पुण्य तिथि पर राजीव गांधी को श्रद्धांजलि देते कांग्रेसी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान देश हित में राजीव गांधी के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। वक्ताओं ने उन्हें आधुनिक भारत का शिल्पकार और सच्चा राष्ट्र नायक बताया। महानगर कांग्रेस कार्यालय दुगड्डा में नगर कांग्रेस अध्यक्ष रितेश ठाकुर, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजीव जखमोला और पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद डबराल उपस्थित थे। लैंसडौन में नगर अध्यक्ष रोशन शाह, जिला उपाध्यक्ष गंभीर रावत, राजेश अग्रवाल, मधुसूदन, हबीब रहमान, महबूब आलम और मोहम्मद भूरा ने श्रद्धांजलि दी।

कोटद्वार, दुगड्डा और लैंसडौन के गांधीचौक में आयोजित कार्यक्रमों में कांग्रेसजनों ने राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। कोटद्वार में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी और महानगर कांग्रेस अध्यक्ष मीना बछवाण सहित कई नेता मौजूद रहे। इनमें शूरवीर सिंह खेतवाल, विजय माहेश्वरी, प्रवीण रावत, सुधा असवाल और पूर्व राज्य मंत्री विजय नारायण सिंह शामिल थे।

मालगाड़ी वाहनों के लिए स्थायी व्यवस्था बनाने की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम कार्यालय में मेयर आरती भंडारी ने जय बदरी विशाल मालगाड़ी कल्याण एसोसिएशन के पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ बैठक कर मालवाहक वाहनों की पार्किंग व्यवस्था पर चर्चा की। बैठक में एसोसिएशन की ओर से शहर में मालगाड़ी वाहनों के लिए स्थायी व उचित पार्किंग स्थल उपलब्ध कराने की मांग रखी गई। इस पर मेयर भंडारी ने आश्वासन दिया कि जल्द ही वाहनों की पार्किंग के लिए उपयुक्त स्थान का प्रबंध किया जाएगा जिससे शहर में यातायात व्यवस्था भी सुचारु बनी रहे। इसके अलावा शहर में संचालित डग्गामार वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। बैठक में जय बद्री विशाल मालगाड़ी कल्याण एसोसिएशन के अध्यक्ष हर्षपाल सिंह बिष्ट, उपाध्यक्ष अभिषेक नेगी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। (एजेंसी)

आज से खुलेगें गुलदार प्रभावित क्षेत्र के स्कूल

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विकासखंड के गुलदार प्रभावित कमंद गांव समेत 16 विद्यालयों में शुक्रवार से विद्यालयों को फिर से खोला जा सकेगा। जनपद में 22 व 23 मई को दो दिवसीय मासिक परीक्षाएं आयोजित होनी हैं। छः दिन के अवकाश के बाद अब शुक्रवार से प्रभावित क्षेत्र के विद्यालयों को फिर से खोला जाना है। वन विभाग की टीम गांव में गश्त कर रही है।

बीते 15 मई को कमंद गांव में गुलदार की घटना के बाद से ही क्षेत्र के 16 विद्यालयों में अवकाश घोषित किया गया था। मुख्य शिक्षा अधिकारी अजेश सवाना ने बताया कि मासिक परीक्षाओं के चलते विद्यालयों को फिर से संचालित किया जाना आवश्यक है। बताया कि गुलदार प्रभावित क्षेत्र के विद्यालयों में बच्चों को लाने ले जाने की जिम्मेदारी अभिभावकों की होगी, जबकि विद्यालय में बच्चे शिक्षकों की सुरक्षा में रहेंगे। उन्होंने बताया कि जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार हो रहे गुलदार के हमलों को देखते हुए शासन से फ्लोटिंग स्कॉर्ट की मांग की गई है।

दहेज उत्पीड़न मामले में आरोपी पति हुआ दोषमुक्त

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पौड़ी रिजवान अंसारी की अदालत ने कोतवाली क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न, मारपीट और धमकी देने के मामले में आरोपी पति को दोषमुक्त करार दिया है। बता दें कि शिकायत के आधार पर पुलिस ने 29 अक्तूबर 2024 को पति के खिलाफ दहेज प्रतिषेध अधिनियम समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। पीड़िता रूबी भंडारी ने पति रोहित भंडारी पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे। पीड़िता ने आरोप लगाया था कि विवाह के एक साल बाद पति ने उस पर नौकरी छोड़ने के लिए दबाव बनाया। नौकरी छोड़ने के बाद पति ने मारपीट और प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। शिकायत में यह भी कहा गया था कि पति के किसी अन्य महिला से संबंध होने के कारण विवाद बढ़ा। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने छः गवाह और सात दस्तावेज अदालत में प्रस्तुत किए। वहीं, बचाव पक्ष ने आरोपों को निराधार बताया और कहा कि दहेज की कोई मांग नहीं की गई। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि कथित घटना की तारीख और एफआईआर दर्ज होने के बीच काफी विलंब रहा, जिसका संतोषजनक कारण प्रस्तुत नहीं किया गया। साथ ही पीड़िता ने बाद में अदालत में दिए बयान में दहेज प्रताड़ना और मारपीट के आरोपों का समर्थन नहीं किया और समझौता होने की बात कही।

रामायण मानव जीवन को सही दिशा देने वाला आदर्श ग्रंथ

श्रीनगर गढ़वाल : विश्व हिंदू परिषद प्रकल्प के तत्वावधान में लक्ष्मोली कंडोलिया में आयोजित श्रीराम कथा में गुरुवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। इस मौके पर कथावाचक अरविंद भाई ओझा ने रामायण के विभिन्न प्रसंगों का वर्णन करते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम का जीवन सत्य, धर्म और मर्यादा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि रावण का अहंकार ही उसके विनाश का कारण बना। मनुष्य को अहंकार और अधर्म से दूर रहकर सदाचार के मार्ग पर चलना चाहिए। कहा कि रामायण केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने वाला आदर्श ग्रंथ है। कथा के दौरान श्रद्धालु भाव-विभोर होकर भक्ति में डूबे नजर आए। आयोजन में भारत गगन अग्रवाल, रविंद्र जोशी, नीरज शर्मा, नरेश कोठियाल, मुकेश लखेड़ा, लक्ष्मोली प्रधान सुरेश नेगी आदि सहयोग दे रहे हैं। (एजेंसी)

होमगार्ड जवान भर्ती के लिए 3500 से अधिक आवेदन

होमगार्ड जवान भर्ती के लिए आज आवेदन की अंतिम तिथि

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : युवाओं में होमगार्ड जवान भर्ती के लिए उत्साह देखने को मिल रहा है। जिले में 60 पदों पर भर्ती होनी है। जिला कमांडेंट कार्यालय होमगार्ड्स से मिली जानकारी के अनुसार अब तक 3500 से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। जिला कमांडेंट कार्यालय होमगार्ड्स में तैनात निरीक्षक देवकी नंदन पांडे ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया शुरू होने के बाद से लगातार बड़ी संख्या में युवा आवेदन करने पहुंच रहे हैं। बताया कि अब तक 3500 से अधिक अभ्यर्थी आवेदन कर चुके हैं और अंतिम दिन यह संख्या और बढ़ सकती है। भर्ती के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 22 मई शुक्रवार को है। उन्होंने कहा कि सीमित पदों के मुकाबले बड़ी संख्या में आवेदन युवाओं में सरकारी सेवा के प्रति बढ़ते रुझान को दर्शाता है। चयनित अभ्यर्थियों को जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने, आपदा प्रबंधन और अन्य आवश्यक कार्यों में तैनात किया जाएगा।

बिजली की आंख मिचौली से उपभोक्ता परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : नगर के मुख्य बाजार सहित बिलकेदार, डांग आदि क्षेत्रों में बुधवार रात से कई मोहल्लों में बिजली की आंख-मिचौली से व्यवसायी और आम लोग खासे परेशान रहे। बृहस्पतिवार को भी दिनभर विद्युत आपूर्ति अनियमित रही। जिस कारण लोग गर्मी से परेशान रहे, जबकि व्यापारियों को भी नुकसान उठाना पड़ा।

शिवमहापुराण कथा में गूंजा भक्ति और वैराग्य का संदेश, कलश यात्रा से हुआ शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार के हल्दूखाता स्थित शिव मंदिर में चल रही शिवमहापुराण सार्वजनिक कथा में श्रद्धा और भक्ति का वातावरण देखने को मिला। कथा से पूर्व क्षेत्र में श्रद्धालुओं द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं और भक्तों ने पारंपरिक वेशभूषा में भाग लेकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। कथा वाचन के दौरान आचार्य राकेश लखेड़ा ने भगवान शिव को वैराग्य, त्याग और करुणा का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि भगवान शिव की कृपा के बिना संसार में कुछ भी संभव नहीं है। शिव का संपूर्ण स्वरूप ही जीवन को सही दिशा देने वाला है। आचार्य ने प्रवचन में कहा कि भगवान शिव का संदेश है कि सत्य सबसे बड़ा धर्म है और असत्य सबसे बड़ा पाप। उन्होंने श्रद्धालुओं को जीवन में मन, वाणी और कर्म पर नियंत्रण रखने की प्रेरणा दी, जिससे व्यक्ति मानसिक शांति और संतुलन प्राप्त कर सकता है। उन्होंने आगे कहा कि भगवान शिव की आराध ही जीवन को बेहतर पथ पर ले जा सकती है।

शिव पुराण से पूर्व कलश यात्रा निकालते लोग

एक नजर

दुकान में लगी आग, सामान जला

श्रीनगर गढ़वाल : नगर के बांसवाड़ा स्थित काली मंदिर के पास बुधवार देर रात एक जनरल स्टोर भोजनालय में आग लग गई। इससे दुकान स्वामी को भारी नुकसान हुआ है। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण बिजली का शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। दुकान स्वामी मकान सिंह रमोला ने बताया कि उनकी दुकान में जनरल स्टोर का सामान और भोजनालय संचालित होता है। बुधवार को बिजली आपूर्ति बाधित रहने और गर्मी अधिक होने से कम ग्राहक आ रहे थे। ऐसे में रात को दुकान सामान्य दिनों से पहले बंद कर दी और घर चले गए। रात करीब 12 बजे आसपास के लोगों ने दुकान से धुआं उठता देखा और फोन पर सूचना दी। सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने शटर तोड़कर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक आग विकराल रूप ले चुकी थी। दुकान में रखा पूरा सामान जल गया। स्थानीय लोगों ने बाल्टियों और पाइप से पानी डालकर काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मकान सिंह रमोला ने बताया कि उन्होंने मंगलवार को ही दुकान में नया माल भरा था जो पूरी तरह जल गया। घटना की सूचना मिलने पर तहसील प्रशासन की टीम भी मौके पर पहुंची और नुकसान का जायजा लिया। वहीं, स्थानीय व्यापारी सुधांशु नौडियाल व व्यापार सभा के जिला अध्यक्ष वासुदेव कंडारी ने व्यापारियों से पीड़ित व्यापारी की मदद के लिए आगे आने की अपील की। (एजेंसी)

एक्सपायरी व अमानक दवाओं की बिक्री न की जाए

श्रीनगर गढ़वाल : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) की सचिव नाजिश कलीम के नेतृत्व में श्रीकोट, श्रीनगर बाजार स्थित मेडिकल स्टोर व खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान दौरान मेडिकल स्टोरों में दवाओं की एक्सपायरी तिथि, भंडारण व्यवस्था, लाइसेंस, अभिलेखों और जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता की जांच की गई। सुरक्षित दवा, सुरक्षित जीवन व जेनेरिक ड्रग्स-इफेक्टिव, इकोनॉमिकल एंड एसेंशियल के तहत चलाए गए अभियान के दौरान सचिव नाजिश कलीम ने मेडिकल स्टोर संचालकों को निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में एक्सपायरी व अमानक दवाओं की बिक्री न की जाए। साथ ही आमजन को जेनेरिक दवाओं के उपयोग के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया गया। खाद्य प्रतिष्ठानों के निरीक्षण में दो स्थानों पर स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों से संबंधित अनियमितताएं पाई गईं। टीम ने संबंधित प्रतिष्ठान संचालकों को मौके पर सुधार के निर्देश देते हुए भविष्य में खाद्य सुरक्षा अधिनियम का पालन सुनिश्चित करने की चेतावनी दी। इसके बाद पीएम श्री जीजीआईसी श्रीनगर में एंटी ड्रग यूनिट का गठन किया गया। विद्यालय में आयोजित विधिक जागरूकता व साक्षरता शिविर में छात्राओं को नशे के दुष्प्रभाव, महिला सुरक्षा, साइबर अपराध, बाल अधिकार और निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी गई। मौके पर उप जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विमल गुसाईं, औषधि निरीक्षक सीमा चौहान, खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप मिश्रा, पूर्ति निरीक्षक विजय कुमार, पुलिस उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार, डीएलएसए के स्टिनर अधिवक्ता गजेन्द्र सिंह रावत आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

ग्रामीण प्रौद्योगिकी से जुड़े पाठ्यक्रमों को मिली मंजूरी

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के कृषि एवं संबद्ध विज्ञान संकाय की बोर्ड बैठक पद्मश्री से सम्मानित कृषि वैज्ञानिक डॉ. अशोक कुमार सिंह की उपस्थिति में आयोजित हुई। बैठक में बीएससी (ऑनर्स) कृषि, वानिकी और उद्यानिकी के नए पाठ्यक्रम को आईसीएआर की 6वीं डीन समिति और एनईपी 2020 के अनुरूप स्वीकृति दी गई। साथ ही एमएससी कृषि, एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन एवं ग्रामीण प्रौद्योगिकी से जुड़े पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों को भी मंजूरी प्रदान की गई। मौके पर डॉ. सिंह ने पाठ्यक्रम निर्माण में संकाय सदस्यों के कार्य की सराहना करते हुए एमएससी पाठ्यक्रमों को आईसीएआर मानकों के अनुरूप और मजबूत बनाने के सुझाव दिए। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर अनुशासन, विविधता और शैक्षणिक जागरूकता की प्रशंसा की तथा उन्हें उत्कृष्टता के लिए निरंतर प्रयासरत रहने को प्रेरित किया। इस मौके पर विभागाध्यक्ष प्रो. आरएस नेगी, प्रो. एमएस पंवार, डा. एके नेगी आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

कीर्तिनगर ब्लॉक में ब्लॉक लेवल यूथ रिसोर्स सेंटर स्थापित करने की तैयारी

श्रीनगर गढ़वाल : राज्य सरकार युवाओं को स्वरोजगार, कौशल विकास और विभिन्न योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से विकास खंड स्तर पर ब्लॉक लेवल यूथ रिसोर्स सेंटर स्थापित करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए विकासखंड कीर्तिनगर में भी यूथ रिसोर्स सेंटर की स्थापना के लिए प्रक्रिया शुरू हो गई है। क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी संजय लिंगवाल ने बताया कि युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल के निदेशक की ओर से जारी पत्र के अनुसार राज्य के सभी विकासखंडों में ऐसे केंद्र स्थापित किए जाने का प्रस्ताव शासन स्तर पर विचाराधीन है। अब विभाग ने जिला युवा कल्याण अधिकारियों को विकासखंड मुख्यालय अथवा उसके आसपास केंद्र निर्माण के लिए भूमि चिह्नित करने के निर्देश दिए हैं। बताया गया है कि यूथ रिसोर्स सेंटर युवाओं के लिए बहुउद्देशीय सुविधा केंद्र के रूप में कार्य करेगा। यहां युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जुड़ी जानकारी, प्रशिक्षण, सरकारी योजनाओं का लाभ, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों, पर्यटन, साहसिक खेल और आपदा प्रबंधन जैसे विषयों पर मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा।

काश्तकारों ने सीखे जैविक व प्राकृतिक खेती के गुर

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : वीर चंद्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड औद्यानिकी एवं वानिकी विवि भरसार में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में कृषि विशेषज्ञों ने काश्तकारों को जैविक व प्राकृतिक खेती के गुर सिखाए। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि कृषि को लाभकारी बनाया जाए तो पर्वतीय क्षेत्रों से होने वाले पलायन को काफी हद तक रोका जा सकता है। जबकि पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी जैविक व प्राकृतिक खेती को महत्वपूर्ण है। कृषि बागवानी कौशल विकास एवं उद्यमिता के माध्यम से ग्रामीण समृद्धि का सशक्तिकरण विषय पर आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञों ने बताया कि यदि पहाड़ों की पारंपरिक खेती को वैज्ञानिक तकनीकों और बेहतर बाजार व्यवस्था से जोड़ा जाए तो यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ रोजगार के नए अवसर भी पैदा किए जा सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार हल्दी, अदरक, लहसुन, लेमनग्रास, तुलसी, एलोवेरा और अश्वगंधा जैसी औषधीय व सुगंधित फसलें पर्वतीय क्षेत्रों के लिए बेहतर विकल्प बन सकती हैं। इसके अलावा मंडुवा, झंगोरा समेत मोटे अनाज की फसलें भी पहाड़ों के लिए उपयोगी हैं।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र जयकृत सिंह उम्र 38 पुत्र श्री सादर सिंह मेरे तथा मेरे परिवार के सदस्यों के कहने सुनने में नहीं है। मेरे पुत्र का व्यवहार मेरे व मेरे परिवार के प्रति तथा अपनी पत्नी के प्रति सही नहीं रहता है। जो मेरे परिवार की शान्ति भंग करके लड़ाई झगड़ा करता रहता है तथा गंदी हरकतों में पड़ गया है, जो नशे का आदी हो चुका है। घर में उत्पात मचाता रहता है। उसके इस व्यवहार से मैं तथा मेरा पूरा परिवार अत्यधिक दुःखी रहता है। उसकी इस हरकतों से तंग, परेशान, दुःखी होकर मैंने अपने पुत्र को अपनी समस्त चल एवं अचल सम्पत्ति से हमेशा के लिए बेदखल कर दिया है। आज के बाद मेरे उक्त पुत्र का मुझसे तथा मेरे पूरे परिवार से कोई भी सम्बन्ध नहीं रहेगा। मेरा पुत्र अपने किसी भी अपराध तथा गलत हरकतों आदि के लिए स्वयं ही जिम्मेदार होगा। उसके द्वारा किये गये किसी भी अनैतिक कृत्य, अपराध, लेन-देन आदि के लिए मैं तथा मेरा पूरा परिवार जिम्मेदार नहीं होगा।

सादर सिंह वर्ष पुत्र स्व. छवाण सिंह निवासी ग्राम तल्लिया, पोस्ट गुमखाल, पट्टी कौड़िया, तहसील लैन्सडाउन, जनपद पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0523/21)

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई-टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. Date	53-DRM-MB-26-27 dt. 20.05.2026
Name of work	CTR(S)-6.75 Tkm and TSR-1.336 Tkm in CH, KEG, MCV, KD, RJK yards under ADEN/CH
Tender Closing Date / Time	15.06.2026
Advertised Value (Rs.)	Rs. 1,58,68,763.20
Earnest Money (Rs.)	Rs. 3,17,400.00
Tender Cost (Rs.)	00
Bidding Start Date	01.06.2026
Period of Completion	06 Month

सं.: No.: 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 20.05.2026 1710/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

भीड़ तंत्र का अनुचित फैसला

उत्तराखंड इन दिनों चारधाम यात्रा को लेकर गुलजार है तो वहीं मैदानी क्षेत्र में गर्मी का प्रकोप बढ़ने के साथ ही उत्तराखंड के उच्च क्षेत्र में पर्यटन की संभावनाएं तलाशी जा रही है। हालांकि पर्यटन एवं लोगों को आकर्षित करने की पहल के साथ ही देवभूमि उत्तराखंड में ऐसे हालात भी नजर आए हैं जहां स्थानीय गरिमा को खंडित करने का प्रयास किया गया। एक मामले में ऋषिकेश में सड़क पर ही नंगा करके हरियाणा के युवकों को पीटा गया। यह बेहद चिंताजनक स्थित है क्योंकि यहां जो काम कानून और पुलिस को करना चाहिए उसे स्थानीय लोगों को अपने हाथों में लेना पड़ा लेकिन यह सब एकाएक नहीं हुआ है। इससे पहले भी हरियाणा एवं दूसरे राज्यों के चंद मुट्ठी भर पर्यटकों द्वारा ऐसी हरकतें सामने आती रही है जो स्थानीय परंपरा एवं गरिमा के अनुरूप नहीं पाई गई। इसमें गंगा तट पर शराब पीना, गलत तरीके से गाड़ियां चलाना, जबरन व्यवस्था बिगड़ने हुए वनवे में घुसना, वाहनों पर नग्न अवस्था में बैठकर गाड़ियां चलाना। ऐसे तमाम वीडियो सोशल मीडिया पर सक्रिय है लेकिन चिंता की बात यह है की चार धाम यात्रा एवं पर्यटन सीजन की शुरुआत से सुरक्षा व्यवस्था का दावा राज्य सरकार द्वारा किया गया था वह ऐसे बिगड़े युवाओं पर नजर नहीं आया है। हरियाणा के युवकों की छेड़छाड़ के आरोप में ऋषिकेश में की गई निर्मम पिटाई के बाद स्थानीय युवकों के खिलाफ ही मुकदमा दर्ज किया गया है जिससे अब स्थानीय लोगों में नाराजगी नजर आ रही है। इन यूट्यूब पर महिला और एक 8 वर्ष की बच्ची के साथ छेड़छाड़ करने के आरोपों में हंगामा पैदा हुआ था और इसी के बाद युवकों को गाड़ी से खींचकर नंगा कर सड़क पर पीटा गया। प्रतिक्रिया पर अलग–अलग पक्षों की पृथक राय है जिनमें कुछ ने भीड़ तंत्र की इस कार्रवाई को प्रदेश में शांति व्यवस्था एवं अराजकता को रोकने के लिए एक सही कदम बताया है तो वहीं दूसरी तरफ युवकों को पड़कर पुलिस को सौंपना ही विधि सम्मत कार्य था लेकिन यहां उन्माद में जो कुछ हुआ उसके बाद अब स्थानीय लोग कानून के शिकंजे में फंसते हुए नजर आ रहे हैं। चार धाम यात्रा एवं उत्तराखंड में पर्यटन के लिए आने वाले लोगों को यह ध्यान रखना चाहिए कि यह राज्य देवभूमि कहलाता है और यहां इस प्रकार की हरकतें कतई स्वीकार नहीं की जा सकती। गंगा तट के किनारे बैठकर शराब पीना भला कौन सी सभ्यता है? यही कारण है कि ऐसे लोग सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं, जिससे टकराव की स्थिति बनी हुई है और सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि ऐसे युवाओं को रोकने के लिए पुलिस कार्रवाई कोई अधिक संतोषजनक नहीं है।

चिंतन–मनन

कौन बने राजा

भगवान विष्णु के वाहन गरुड़ को पक्षियों का राजा माना गया है लेकिन वे अपने स्वामी की सेवा में इतना व्यस्त रहते थे कि उन्हें पक्षियों का हालचाल जानने का समय ही नहीं मिल पाता था। एक दिन पक्षियों ने अपनी सभा बुलाई और इस बात पर विचार-विमर्श किया कि ऐसे राजा का क्या लाभ, जो कभी हमें देखने तक नहीं आता।

सभी ने काफी सोच-विचार कर उल्लू को राजा घोषित कर दिया। उल्लू के राजतिलक की तैयारी होने लगी, तभी एक कोने में बैठे कौवे ने चिल्लाते हुए कहा कि यह फैसला हमें मंजूर नहीं है। राजा गरुड़ को भले ही हमारे पास आने का समय न मिलता हो, लेकिन जब भी मौका मिलेगा वह अवश्य आएंगे। मगर उल्लू को राजा बनाने का क्या लाभ, जिसे दिन में दिखाई ही नहीं पड़ता।

वह हमारी परेशानियों को कैसे हल करेगा। वह दूसरों की बातें सुनकर फैसला करेगा जिसका परिणाम यह होगा कि चाटुकारों का बोलबाला हो जाएगा। किसी ने तर्प दिया कि उल्लू रात में देख सकते हैं इसलिए वह रात में हमारी समस्या सुलझा देंगे। कौवे ने कहा- ऐसा राजा मुझे मंजूर नहीं जो रात में आकर हमारी नींद हराम करे। फिर हम पक्षी रात में ठीक से देख नहीं पाते। हम पहचानेंगे कैसे कि उल्लू ही आया है।

इस बात का लाभ उठाकर कोई राक्षस उसकी जगह आ सकता है और हमें मारकर खा सकता है। पक्षियों ने मान लिया कि राजा ऐसा होना चाहिए, जिसे प्रजा के दुख-दर्द दिखाई तो पड़ें। अंत में गरुड़ को ही राजा बनाए रखने का फैसला किया गया।

प्रकृति का मौन क्रंदन, खतरे में जीवन की श्रृंखला

योगेश कुमार गोयल

धरती पर जीवन का आधार केवल मनुष्य नहीं है बल्कि जीव-जंतु, पक्षी, कीट-पतंगे और पेड़-पौधे भी इस पारिस्थितिकी तंत्र का उतना ही अहम हिस्सा हैं। फिर भी मनुष्य ने अपने स्वार्थों और तथाकथित विकास के नाम पर जिस प्रकार वनों की अंधाधुंध कटाई, वन्य जीवों के आवासों का विनाश और प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किया है, उसने धरती की जैव विविधता को गहरे संकट में डाल दिया है। जैव विविधता केवल कुछ जीवों या पौधों की गिनती भर नहीं है, यह पूरी पारिस्थितिकी का वह संतुलन है, जो जीवन को संभव और सुरक्षित बनाता है लेकिन आज यह संतुलन बुरी तरह से बिगड़ चुका है और इसके गंभीर परिणाम पूरी दुनिया भुगत रही है। धरती पर अनेक वन्य प्रजातियां या तो पूरी तरह से विलुप्त हो चुकी हैं या विलुप्त होने के कगार पर हैं। यही नहीं, हजारों प्रजातियां आज संकटग्रस्त मानी जाती हैं, जिनके अस्तित्व पर हर बीतते वर्ष के साथ खतरा और अधिक बढ़ रहा है। यह संकट केवल जीव-जंतुओं तक ही सीमित नहीं है बल्कि वनस्पतियों की विविधता भी उसी तीव्र गति से घट रही है। जैव विविधता के महत्व को रेखांकित करने और लोगों को इसके संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए हर वर्ष 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है। इसकी शुरूआत 20 दिसंबर 2000 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित प्रस्ताव के माध्यम से की गई थी, जिसे 193 देशों ने समर्थन दिया था। 22 मई 1992 को नैरोबी एक्ट के तहत जैव विविधता पर अभिसमय को स्वीकार किया गया था, इसी कारण 22 मई को यह दिवस तय किया गया। इस वर्ष यह दिवस ह्यवैश्विक प्रभाव के लिए स्थानीय स्तर पर कार्य करनाह्ल विषय के अंतर्गत मनाया जा रहा है. जो इस तथ्य को उजागर करता है कि पृथ्वी को बचाने की शुरूआत छोटे-छोटे स्थानीय प्रयासों से ही होती है। आज स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि जंगलों के उजड़ने से हजारों पक्षी और जानवर अपने प्राकृतिक आवास से वंचित हो गए हैं। पक्षियों की वे प्रजातियां, जो किसानों के हित में कीट नियंत्रण का काम करती थी, जैसे गिद्ध, कौए, चील, बाज, तीतर, बटेर, मोर आदि, अब संकटग्रस्त हो चुकी हैं। यह केवल जैव विविधता का नुकसान नहीं बल्कि कृषि और खाद्य सुरक्षा के लिए भी खतरे की घंटी है। ऐसे पक्षी खेतों में कीटों का प्राकृतिक नियंत्रण करते थे लेकिन इनके लुप्त होने से अब कृत्रिम कीटनाशकों की निर्भरता बढ़ रही है, जो मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए घातक है। पर्यावरणीय असंतुलन, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों का अनियंत्रित उपयोग और लगातार बढ़ती आबादी जैव विविधता संकट के प्रमुख कारक हैं। एक ओर जहां जंगलों की अंधाधुंध कटाई के चलते पशु-पक्षियों के प्राकृतिक आवास खत्म हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पेड़-पौधों की दुर्लभ प्रजातियां भी मानव गतिविधियों के कारण धीरे-धीरे मिट रही हैं। यही कारण है कि जैव विविधता का संरक्षण आज केवल पर्यावरणविदों का मुद्दा नहीं बल्कि यह पूरी मानव जाति के अस्तित्व से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन गया है। वन्यजीव और वनस्पतियां धरती पर जीवन की लंबी विकास यात्रा की अहम कड़ियां हैं। ये सभी प्रजातियां अरबों वर्षों के जैविक और पारिस्थितिक विकास का परिणाम हैं। वन्य जीवन में वे सभी जीव-जंतु और पौधे शामिल होते हैं, जिन्हें मनुष्य द्वारा पाला तो नहीं जाता लेकिन उनका अस्तित्व भी मानवीय गतिविधियों से सीधे तौर पर प्रभावित होता है। जैसे-जैसे जंगल उजड़ते हैं, इन प्रजातियों का जीवन संकटग्रस्त होता जाता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि मनुष्य ने अपने भौतिक विकास और बढ़ती जनसंख्या के दबाव में इस पारिस्थितिक तंत्र के संतुलन की अनदेखी की है। यह तथ्य अब वैज्ञानिक रूप से भी प्रमाणित हो चुका है कि जैव विविधता के घटने से पर्यावरण का असंतुलन बढ़ता है और इससे प्राकृतिक आपदाएं, जलवायु परिवर्तन, अकाल, सूखा, बाढ़, रोगों का प्रसार जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। मेरी पुस्तक ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्ल में इस विषय पर विस्तार से चर्चा की गई है कि जैव विविधता में आ रही कमी किस प्रकार हमारे संपूर्ण जीवन और पर्यावरण को अस्थिर बना रही है। यह केवल प्रकृति का संकट नहीं बल्कि यह हमारे भविष्य पर मंडराता हुआ खतरा है। धरती पर हर देश की अपनी विशिष्ट जलवायु और पारिस्थितिक पहचान होती है, जिससे वहां की जैव विविधता भी विशिष्ट होती है लेकिन वनों की कटाई, खनन, शहरीकरण, औद्योगीकरण, रासायनिक खेती, प्लास्टिक प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन जैसे मानवीय कारकों ने इस विविधता को संकट में डाल दिया है। दुर्भाग्य से यह संकट केवल कुछ स्थानीय प्रजातियों तक सीमित नहीं रहा बल्कि अब यह वैश्विक स्तर पर विनाश की ओर बढ़ रहा है। आज मानव अपने स्वार्थ और भौतिक जीवन के मोह में यह भूल गया है कि जीवन की आधारशिला प्रकृति ही है। वनों की कटाई, प्राकृतिक संसाधनों का दोहन और पारिस्थितिक तंत्र की अनदेखी मानव को उस दिशा में ले जा रही है, जहां जीवन का अस्तित्व ही खतरे में पड़ सकता है। यदि समय रहते हमने चेतना नहीं दिखाई तो आने वाले समय में ऐसी कई प्रजातियां होंगी, जो केवल पुस्तकों और संग्रहालयों में ही मिलेंगी। विकास अनिवार्य है, इसमें कोई संदेह नहीं परंतु वह विकास, जो प्राकृतिक संसाधनों को खत्म करके हासिल हो, वह आत्मघाती है। हमें ऐसा विकास मॉडल अपनाने की आवश्यकता है, जिसमें प्रकृति के साथ सहअस्तित्व को महत्व दिया जाए। यदि पेड़ कटेंगे, जल स्रोत सूखेंगे, जीव-जंतु लुप्त होंगे और पक्षी गायब होंगे तो यह केवल जैव विविधता की हानि नहीं होगी बल्कि पूरी मानव सभ्यता के अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न लग जाएगा।

घुसपैठियों और अतिक्रमणकारियों के पास अचानक इतने पत्थर कहां से आ जाते हैं?

नीरज कुमार दुबे

मुंबई के लिए मुसीबत बने बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को पुलिस और प्रशासन ने करारा सबक सिखाकर देश की आर्थिक राजधानी को बड़ी राहत दिलाई है। बांद्रा रेलवे स्टेशन के पास गरीब नगर इलाके में पश्चिम रेलवे द्वारा चलाया जा रहा अब तक का सबसे बड़ा अतिक्रमण विरोधी अभियान न केवल रेलवे भूमि को मुक्त कराने की दिशा में अहम कदम साबित हुआ, बल्कि इस कार्रवाई ने यह भी उजागर कर दिया कि किस तरह अवैध कब्जाधारी कानून व्यवस्था को चुनौती देने से भी पीछे नहीं हटते। कार्रवाई के दौरान पुलिस और रेलवे अधिकारियों पर जमकर पत्थरबाजी की गई, जिससे एक बार फिर यह सवाल खड़ा हो गया कि देश के किसी भी हिस्से में अतिक्रमण हटाने या अवैध कब्जों के खिलाफ अभियान चलते ही इन घुसपैठियों और अतिक्रमणकारियों के पास अचानक इतने पत्थर कहां से आ जाते हैं?

उल्लेखनीय है कि पश्चिम रेलवे ने बांद्रा रेलवे स्टेशन के निकट गरीब नगर में फैले अवैध कब्जों को हटाने के लिए व्यापक अभियान शुरू किया है। यह मुंबई में रेलवे की अब तक की सबसे बड़ी अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई मानी जा रही है। रेलवे के अनुसार लगभग पांच हजार दो सौ वर्ग मीटर भूमि को खाली कराया जा रहा है, जिसकी कीमत करीब छह सौ करोड़ रुपये आंकी गई है। यह इलाका हार्बर लाइन की पटरियों और बिजली व्यवस्था के बेहद करीब पहुंच चुका था, जिससे रेल संचालन और यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा था।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक यहां कई बहुमंजिला झुग्गियां फुटओवर पुलों की ऊंचाई से भी ऊपर तक बना दी गई थीं। इससे भविष्य की रेलवे परियोजनाओं और ट्रेनों की आवाजाही में बाधा उत्पन्न हो रही थी। रेलवे लंबे समय से इस भूमि को खाली कराना चाहता था, क्योंकि बांद्रा स्टेशन और बांद्रा कुर्ला परिसर के पास स्थित यह इलाका रणनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

इस मामले में कानूनी प्रक्रिया वर्ष 2017 से पहले शुरू हो चुकी थी। सार्वजनिक परिसर अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए 27 नवंबर 2017 को बेदखली आदेश जारी किए गए थे। इसके बाद मामला बंबई उच्च न्यायालय और फिर उच्चतम न्यायालय तक पहुंचा। इस वर्ष 29 अप्रैल को उच्च न्यायालय ने अवैध अतिक्रमण हटाने की अनुमति दी थी। बाद में उच्चतम न्यायालय ने भी इस आदेश पर रोक नहीं लगाई। इसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी।

पश्चिम रेलवे ने करीब पांच सौ झुग्गियों को हटाने के लिए चिन्हित किया, जबकि संयुक्त सर्वेक्षण में पात्र पाए गए लगभग एक सौ ढांचों को फिलहाल नहीं छुआ गया। रेलवे का कहना है कि भविष्य में इस जमीन का उपयोग उपनगरीय और लंबी दूरी की रेल सेवाओं के विस्तार के लिए किया जाएगा। कार्रवाई को सफल बनाने के लिए भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई। करीब चार सौ पुलिसकर्मी, चार सौ रेलवे सुरक्षा बल और सरकारी रेलवे पुलिस के जवान तथा लगभग दो सौ रेलवे अधिकारी और कर्मचारी तैनात किए गए। बांद्रा स्टेशन और बांद्रा टर्मिनस के आसपास कई रास्तों को बंद कर दिया गया, जिससे भारी यातायात जाम लग गया और यात्रियों को सामान लेकर पैदल चलना पड़ा।

शुरूआत में कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से चल रही थी, लेकिन दूसरे दिन दोपहर बाद माहौल अचानक तनावपूर्ण हो गया। अधिकारियों ने जब एक अवैध मस्जिद और वहां लगाए गए निजी दूरसंचार टावर को हटाने की कोशिश की तो भीड़ उग्र हो गई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस और प्रशासनिक टीमों पर पत्थर, बर्तन और अन्य सामान फेंकना शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा।

इस हिंसा में सात पुलिसकर्मी और छह प्रदर्शनकारी घायल हुए। पुलिस ने दस लोगों को हिरासत में लिया और निर्मल नगर पुलिस थाने में गैरकानूनी जमावड़ा, दंगा और सरकारी कर्मचारियों पर हमला करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया। घायलों का उपचार भाभा अस्पताल और वीएन देसाई अस्पताल में कराया गया। एक पुलिसकर्मी और एक प्रदर्शनकारी को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा, हालांकि दोनों की हालत स्थिर बताई गई है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अभिनव देशमुख ने चेतावनी दी है कि हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दूसरी ओर कुछ निवासियों ने दावा किया कि वह कई दशकों से यहां रह रहे थे और उनके पास हाउस टैक्स, वाटर टैक्स तथा बिजली कनेक्शन से जुड़े दस्तावेज भी हैं। कई परिवारों ने आरोप लगाया कि उन्हें घर खाली करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया और पुनर्वास की समुचित व्यवस्था भी नहीं की गई। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि ईद से ठीक पहले की गई कार्रवाई ने उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

हालांकि इन दावों और मानवीय पक्ष के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर अवैध कब्जों के खिलाफ हर कार्रवाई के दौरान पत्थरबाजी की घटनाएं क्यों सामने आती हैं? चाहे देश का कोई भी राज्य हो, अतिक्रमण हटाने पहुंची पुलिस और प्रशासन पर हमला करना अब एक तयशुदा रणनीति जैसा दिखाई देता है। इससे साफ है कि कुछ तत्व कानून व्यवस्था को बिगाड़कर सरकारी कार्रवाई को रोकना चाहते हैं। मुंबई जैसे संवेदनशील और आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर में इस तरह की हिंसा न केवल चिंताजनक है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा और शहरी व्यवस्था दोनों के लिए गंभीर चुनौती भी है।

तमिलनाडु में तमिल राजनीति के उदय से उम्मीद की नई किरणें

विनोद कुमार सिंह

तमिलनाडु के इस जनादेश ने एक बार फिर यही सिद्ध किया है कि लोकतंत्र में अंतिम शक्ति जनता के हाथ में ही होती है।विगत विधान सभा के चुनाव 26 का परिणाम केवल सत्ता परिवर्तन की कहानी नहीं है।यह बदलती पीढ़ी,नई आकांक्षाओं,क्षेत्रीय स्वाभिमान और राजनीतिक पुनर्जागरण की कहानी भी है।भविष्य के आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति का नया अध्याय दक्षिण भारत से ही लिखा जाए।

तमिलनाडु विधान सभा चुनाव 26 के बदलते जनादेश ने तमिल द्रविड़ राजनीति से 'नई तमिल राजनीति' भारतीय लोकतंत्र को दिया नया संदेश...

वैश्विक राजनीतिक पटल पर सैदव ही भारत व भारतीय लोकतंत्र की चर्चा होती रहती है।भारत में संविधान ही सर्वोपरि है।जो अपने नागरिको मौलिक अधिकारो व कर्तव्यों की स्पष्ट उल्लेख किया है। यहाँ के नागरिकों को मताधिकार दिया है।भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत रही है कि यहाँ जनता समय-समय पर सत्ता, समीकरण और राजनीतिक विचार घारों व धारणाओं को बदलती रही है।भारतीय राजनीति में कोई भी राजनीतिक दल की शक्ति स्थायी नहीं होती।कभी राष्ट्रीय राजनीतिक दलों का प्रभाव चरम पर होता है,तो कभी क्षेत्रीय अस्मिता नई राजनीतिक धारा बनकर उभरती है। विगत दिनों दक्षिण भारत का तमिलनाडु राज्य इसी राजनीतिक परिवर्तन का सबसे बड़ा उदाहरण रहा है।सर्वविदित रहे कि सन 1967 में जब सी एन अन्ना दुरई के नेतृत्व में द्रविड़ राजनीति ने कांग्रेस के लंबे राजनीतिक वर्चस्व को समाप्त कर सत्ता के सिंघासन हासिल की थी,तब शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि आने वाले दशकों में तमिलनाडु भारतीय राजनीति की सबसे प्रभावशाली राजनीतिक प्रयोगशाला बन जाएगा।उस दौर में द्रविड़ आंदोलन केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं था,बल्कि सामाजिक न्याय, भाषायी अस्मिता,क्षेत्रीय स्वाभिमान और राजनीतिक आत्मसम्मान का बड़ा आंदोलन बन चुका था।तमिल समाज ने पहली बार यह महसूस किया कि दिल्ली की राजनीति से अलग उनकी अपनी भी एक राजनीतिक पहचान हो सकती है।यही वह दौर था जब राजनीति और सिनेमा ने मिलकर दक्षिण भारत में एक नई सामाजिक चेतना को जन्म दिया।तमिल फिल्मों के संवाद केवल मनोरंजन नहीं रहे,बल्कि राजनीतिक संदेश बन गए।फिल्मी के सुनहरे पर्दे पर गरीबों के रक्षक और अन्याय के विरुद्ध लड़ने वाले नायक जनता की वास्तविक राजनीति के नायक बनते चले गए।

इसी राजनीतिक-सांस्कृतिक वातावरण से एम जी रामा चन्द्रन जैसे करिश्माई नेता उभरे,जिन्होंने जनता के दिलों पर ऐसा प्रभाव स्थापित किया कि फिल्मों की लोकप्रियता सीधे राजनीतिक जनसमर्थन में बदल गई।उनके जे जयललिता ने भी उसी परंपरा को आगे बढ़ाया और तमिल राजनीति में महिला नेतृत्व की एक अलग पहचान बनाई।दक्षिण भारत में फिल्म और राजनीति का यह अनूठा संगम धीरे-धीरे आंध्र प्रदेश तक पहुँचा,जहाँ एन टी रामा राव ने तेलुगु अस्मिता को राजनीतिक शक्ति में बदल दिया।यह वह नया दौर था जब राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के सामने क्षेत्रीय दलों की शक्ति तेजी से बढ़ रही थी।लगभग छह दशकों तक तमिलनाडु की राजनीति द्रविड़ दलों के इर्द-गिर्द धुमती रही।कभी डी एम के सत्ता में आई तो कभी ए आई ए डी एम के लेकिन राजनीतिक केंद्र वहीं बना रहा।जनता के सामने विकल्प बदलते रहे,किन्तु राजनीति का मूल स्वर द्रविड़ विचारधारा ही बनी रही,किन्तु समय हमेशा एक जैसा नहीं रहता।राजनीति में भी पीढ़ियाँ बदलती हैं,प्राथमिकताएँ बदलती हैं और जनता की अपेक्षाएँ भी बदल जाती हैं।वर्ष 2026 का तमिलनाडु विधानसभा चुनाव इसी परिवर्तन का सबसे बड़ा संकेत बनकर सामने आया।इस चुनाव ने न केवल राजनीतिक पंडितों के सभी अनुमान उलट दिए,बल्कि यह भी साबित कर दिया कि जनता जब परिवर्तन का मन बना लेती है,तो दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाएँ भी हिल जाती हैं।तमिल फिल्म जगत के लोकप्रिय अभिनेता विजय के नेतृत्व में उभरी नई राजनीतिक धारा ने पहली बार तमिलनाडु की राजनीति को द्रविड़ बनाम द्रविड़ की पारंपरिक लड़ाई से बाहर निकालने का प्रयास किया।विजय ने स्वयं को केवल अभिनेता के रूप में प्रस्तुत नहीं किया,बल्कि 'नई तमिल राजनीति' के नायक के रूप में स्थापित करने की कोशिश की।उनकी सभाओं में उमड़ती युवाओं की भीड़,सोशल मीडिया पर असाधारण लोकप्रियता और पारंपरिक राजनीति के विरुद्ध आक्रोश ने चुनावी वातावरण को पूरी तरह बदल दिया।शुरूआत में राजनीतिक विश्लेषक इसे केवल 'स्टारडम का प्रभाव' मान रहे थे,लेकिन विधान सभा चुनाव के परिणामों ने यह साबित कर दिया कि तमिलनाडु की जनता बदलाव चाहती थी।तमिलनाडु विधानसभा की कुल 234 सीटों में बहुमत के लिए 118 सीटों की आवश्यकता थी।चुनाव परिणामों में विजय की पार्टी टी वी के ने 108 सीटें जीतकर सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में उभरकर सबको चौंका दिया।वहीं डी ए के 59 सीटों पर सिमट गई और ए आई ए डी एम के गठबंधन लगभग 53 सीटों तक सीमित रह गया।कांग्रेस को केवल 5 सीटों से संतोष करना पड़ा।इन परिणामों ने केवल सरकार का गणित नहीं बदला,बल्कि तमिलनाडु की राजनीति की आत्मा में चल रहे परिवर्तन को भी उजागर कर दिया।यह चुनाव भावनात्मक नारों और पारंपरिक राजनीतिक विरासत से आगे बढ़कर नई आकांक्षाओं का चुनाव बन चुका था। युवाओं की नई पीढ़ी रोजगार चाहती है,तकनीकी विकास चाहती है,उद्योग चाहती है,डिजिटल अवसर चाहती है और सबसे अधिक पारदर्शी शासन चाहती है।

पहली बार मतदान करने वाले लाखों युवा मतदाताओं ने जातीय और परंपरागत राजनीतिक निष्ठाओं से ऊपर उठकर 'नए नेतृत्व' पर भरोसा जताया।यही कारण रहा कि शहरी क्षेत्रों,आईटी कॉरिडोर और शिक्षित युवाओं वाले निर्वाचन क्षेत्रों में पारंपरिक दलों को अपेक्षित समर्थन नहीं मिल पाया।राजनीतिक विश्लेषकों की सबसे बड़ी भूल यह रही कि वे तमिलनाडु की राजनीति को पुराने चुनावी गणित से समझने का प्रयास करते रहे,जबकि जनता का मन बदल चुका था।एग्जिट पोल और राजनीतिक सर्वेक्षण जहाँ द्रविड़ दलों की मजबूत वापसी का दावा कर रहे थे,वहीं मतदाताओं ने चुपचाप एक नया राजनीतिक संदेश लिख दिया।दरअसल तमिलनाडु में यह परिवर्तन अचानक नहीं आया।पिछले कुछ वर्षों से जनता के भीतर नेतृत्व को लेकर एक खालीपन महसूस किया जा रहा था।एम करुणा निधि और जयललिता जैसे बड़े नेताओं के जाने के बाद राजनीति में वह भावनात्मक करिश्मा दिखाई नहीं दे रहा था जिसने दशकों तक जनता को जोड़े रखा था।इसी राजनीतिक रिक्तता में नए चेहरे और नई राजनीति के लिए जगह बनी। विजय ने चुनाव प्रचार के दौरान बार-बार 'तमिल अस्मिता' और 'नई पीढ़ी की राजनीति' को केंद्र में रखा।उन्होंने पारंपरिक द्रविड़ राजनीति से दूरी बनाते हुए स्वयं को भविष्य की राजनीति का चेहरा साबित करने का प्रयास किया।इस चुनाव का सबसे बड़ा झटका भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेश को लगा। कभी दक्षिण भारत में मजबूत राजनीतिक आधार रखने वाली कांग्रेस अब गठबंधन की राजनीति तक सीमित दिखाई दे रही है। तमिलनाडु के परिणामों ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल क्षेत्रीय दलों के सहारे राजनीति करने से किसी राष्ट्रीय दल का जनाधार मजबूत नहीं हो सकता।कांग्रेस के सामने सबसे बड़ा संकट स्थानीय नेतृत्व का अभाव है।पार्टी के पास ऐसा कोई करिश्माई चेहरा नहीं दिखता जो तमिलनाडु की जनता के भीतर नई ऊर्जा पैदा कर सके।यही कारण है कि चुनाव परिणामों के बाद कांग्रेस के भीतर संगठनात्मक पुनर्गठन और दक्षिण भारत की नई रणनीति पर गंभीर चर्चा प्रारम्भ हो गई है।राजनीतिक दृष्टि से देखें तो तमिलनाडु का यह जनादेश केवल एक राज्य की घटना नहीं है।यह भारतीय राजनीति में बदलती सामाजिक मानसिकता का संकेत है।आने वाले समय में क्षेत्रीय पहचान,युवा नेतृत्व,डिजिटल राजनीति और सांस्कृतिक स्वाभिमान का प्रभाव और अधिक बढ़ सकता है।राजनीति के विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य की राजनीति अब केवल जातीय समीकरणों और पारंपरिक वोट बैंक के सहारे नहीं चलेगी।सोशल मीडिया,युवा मतदाता और राजनीतिक पारदर्शिता नए निर्णायक कारक बन चुके हैं। तमिलनाडु ने यह संदेश पूरे देश को दे दिया है।दिलचस्प बात यह भी रही कि इस चुनाव में जनता ने 'स्थिरता बनाम परिवर्तन' के बीच परिवर्तन को प्राथमिकता दी।यह लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती है कि जनता जब बदलाव चाहती है,तो सबसे मजबूत राजनीतिक किले भी ढह जाते हैं।तमिलनाडु ने एक बार फिर भारतीय राजनीति को नई दिशा देने का काम किया है।कभी इसी राज्य ने कांग्रेस के प्रभुत्व को चुनौती दी थी,फिर द्रविड़ राजनीति को राष्ट्रीय विमर्श बनाया और अब 'नई तमिल राजनीति' की चर्चा शुरू कर दी है।आज पूरा देश तमिलनाडु के राजनीतिक घटना क्रम को इसलिए ध्यान से देख रहा है क्योंकि वहाँ से उठी राजनीतिक लहर आने वाले समय में राष्ट्रीय राजनीति की दिशा भी बदल सकती है।तमिलनाडु विधान सभा चुनाव 26 के बदलते जनादेश ने तमिल द्रविड़ राजनीति से ह्लनई तमिल राजनीतिह्व भारतीय लोकतंत्र को दिया नया संदेश।दरअसल लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति जनता जनार्दन का मौन निर्णय होता है।राजनीतिक पंडित अक्सर आँकड़ों में उलझ जाते हैं,लेकिन जनता अपने मन का फैसला चुपचाप करती है।तमिलनाडु के इस जनादेश ने एक बार फिर यही सिद्ध किया है कि लोकतंत्र में अंतिम शक्ति जनता के हाथ में ही होती है।विगत विधान सभा के चुनाव 26 का परिणाम केवल सत्ता परिवर्तन की कहानी नहीं है।यह बदलती पीढ़ी,नई आकांक्षाओं,क्षेत्रीय स्वाभिमान और राजनीतिक पुनर्जागरण की कहानी भी है।भविष्य के आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति का नया अध्याय दक्षिण भारत से ही लिखा जाए।अगर यदि ऐसा होता है,तो इतिहास यह अवश्य दर्ज करेगा कि तमिलनाडु ने एक बार फिर देश को राजनीति की नई दिशा दिखाई थी।

संक्षिप्त समाचार

सूडान के पश्चिमी कोरडोफान में ड्रोन हमला, 28 लोगों की मौत

खार्तूम, एजेंसी। एक स्थानीय मानवाधिकार समूह ने बताया कि मंगलवार को मध्य सूडान के एक व्यस्त बाजार पर ड्रोन हमले में 28 लोग मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गए। यह हमला उस युद्ध का हिस्सा है जिसने 2023 से देश को तबाह कर दिया है। संघर्ष के दौरान हुए उल्लंघनों पर नज़र रखने वाले स्थानीय मानवाधिकार समूह 'इमरजेंसी लॉयर्स' ने एक्स पर बताया कि पश्चिमी कोरडोफान प्रांत के घुबायश कस्बे में स्थित बाजार को मंगलवार सुबह उस समय निशाना बनाया गया जब वह नागरिकों से खचाखच भरा हुआ था। समूह ने इस हमले के लिए सेना को जिम्मेदार ठहराया। सेना और उसके प्रतिद्वंद्वी अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव के बढ़ने के बाद अप्रैल 2023 में एक पूर्ण पैमाने पर युद्ध छिड़ गया। आरएसएफ पश्चिमी कोर्डोफान पर नियंत्रण रखता है। सूडान की सेना के एक अधिकारी ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि सेना नागरिकों या नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना नहीं बनाती है। एक अन्य सैन्य सूत्र ने भी समूह के दावों का खंडन करते हुए कहा कि सेना के एक ड्रोन ने बाजार के पास ईंधन भरते समय आरएसएफ के दो लड़ाकू वाहनों पर हमला किया, जिससे वाहन पूरी तरह से नष्ट हो गए और उनमें सवार लोग मारे गए, लेकिन किसी भी नागरिक को कोई नुकसान नहीं हुआ।

दक्षिणी लेबनान पर इस्राइल का बड़ा हमला, बच्चों-महिलाओं समेत 19 लोगों की मौत

लेबनान, एजेंसी। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार को दक्षिणी लेबनान पर हुए इस्राइली हवाई हमलों में चार महिलाओं और तीन बच्चों सहित कम से कम 19 लोग मारे गए। यह इस्राइल-हिजबुल्ला युद्ध में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए नाजुक युद्धविराम के बावजूद दोनों पक्षों द्वारा लगभग दैनिक रूप से किए जा रहे हमलों की श्रृंखला में नवीनतम घटना है, जो अभी तक रुकी नहीं है।

न्यूयॉर्क: खुले गड्ढे में गिरने से एक महिला की मौत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पुलिस और बिजली अधिकारियों ने बताया कि न्यूयॉर्क शहर की एक व्यस्त सड़क पर एक खुले गड्ढे में 56 वर्षीय महिला गिर गई और उसकी मौत हो गई। वे इस बात की जांच कर रहे हैं कि यह घटना कैसे हुई होगी। पुलिस के मुताबिक, सोमवार रात को मिडटाउन मैनहट्टन में फिफ्थ एवेन्यू और ईस्ट 52वीं स्ट्रीट के कोने के पास मरम्मत के लिए बने गड्ढे के ठीक बगल में डोनिके गोकाज ने अपनी कार खड़ी की। रात 11:30 बजे से कुछ देर पहले गाड़ी से बाहर निकलते समय उसमें गिर गई। दमकलकर्मियों द्वारा उसे बाहर निकालने के बाद स्थानीय अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। यूटिलिटी कंपनी कॉन एडिसन ने कहा कि निगरानी कैमरे की फुटेज से ऐसा प्रतीत होता है कि महिला के गिरने से लगभग 12 मिनट पहले एक मल्टी-एक्सल ट्रक के ऊपर से गुजरने के कारण गड्ढे का ढक्कन हट गया था।

रूस-चीन संबंधों का नया अध्याय! राष्ट्रपति पुतिन पहुंचे बीजिंग

बीजिंग, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर एक अत्यंत महत्वपूर्ण आधिकारिक यात्रा के लिए चीन की राजधानी बीजिंग पहुंच चुके हैं। बीजिंग हवाई अड्डे पर चीन के शीर्ष नेता और विदेश मंत्री वांग यी ने राष्ट्रपति पुतिन का बहुत ही गर्मजोशी और सम्मान के साथ स्वागत किया। यह यात्रा दोनों देशों के बीच भविष्य के सहयोग के लिए एक नया और पहले से अधिक मजबूत रणनीतिक आधार तैयार करने वाली है। बीजिंग के राजनीतिक गलियारों में इस हाई-प्रोफाइल दौरे को लेकर सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए हैं और दुनिया की नजरें इस पर हैं। पुतिन की यह यात्रा दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक 'गुड-नेबरलीनेस एंड फ्रेंडली कोऑपरेशन' संधि की 25वीं वर्षगांठ के खास मौके पर आयोजित की जा रही है। साल 2001 में इस संधि की नींव स्वयं पुतिन ने रखी थी, जो आज दोनों देशों के अटूट और गहरे रिश्तों की एक बड़ी पहचान बन चुकी है। इस दौरे के माध्यम से रूस और चीन अपनी खास रणनीतिक साझेदारी को एक बिल्कुल नए और वैश्विक उच्च मुकाम पर ले जाने के लिए तैयार हैं। बीजिंग में होने वाली वार्ता दोनों देशों के व्यापक विकास और द्विपक्षीय सहयोग को और अधिक गहरा करने के एजेंडे पर आधारित होगी। बीजिंग में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का भव्य स्वागत चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर पुतिन मंगलवार 19 मई को बीजिंग पहुंचे जहां उनका जोरदार इस्तकबाल किया गया। हवाई अड्डे पर चीन के शीर्ष नेतृत्व और विदेश मंत्री वांग यी ने स्वयं मौजूद रहकर रूसी राष्ट्रपति का औपचारिक स्वागत किया। क्रेमलिन के अनुसार इस यात्रा से दोनों देशों को बेहद ऊंची उम्मीदें हैं और यह आपसी शक्ति प्रदर्शन का एक बड़ा मौका है। यह महत्वपूर्ण दौरा रूस और चीन के बीच हुई ऐतिहासिक मैत्री संधि की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया है। इस ऐतिहासिक संधि की शुरुआत साल 2001 में की गई थी जब पुतिन और जियांग जेमिन ने इस पर हस्ताक्षर किए थे। अब पुतिन और शी जिनपिंग इसी पुरानी दोस्ती को आधुनिक वैश्विक संदर्भों में एक नई और मजबूत दिशा देने वाले हैं। दुनिया की टिकी निगाहें पुतिन का यह दौरा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बीजिंग यात्रा के ठीक एक हफ्ते बाद हो रहा है जो सामरिक रूप से अहम है। दुनिया भर के कूटनीतिज्ञ इसे रूस और चीन के गठबंधन को पश्चिम के सामने एक कड़े संदेश के रूप में देख रहे हैं। बीजिंग में होने वाली यह शिखर वार्ता वैश्विक राजनीति के शक्ति समीकरणों को पूरी तरह बदलने की क्षमता रखती है। पुतिन ने बीजिंग पहुंचने से पहले कहा कि रूस और चीन राजनीति, अर्थव्यवस्था और रक्षा के क्षेत्रों में अपना सहयोग बढ़ा रहे हैं। दोनों देश मानवीय आदान-प्रदान और लोगों के बीच आपसी संपर्क को बढ़ावा देने के लिए भी कई महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं। शी जिनपिंग के दीर्घकालिक सहयोग के प्रति कमिटमेंट की पुतिन ने जमकर तारीफ की और इसे भविष्य के लिए जरूरी बताया।

जेडी वेंस की ईरान को चेतावनी, डील नहीं हुई तो फिर शुरू हो सकता है सैन्य अभियान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ईरान के साथ गंभीर और लगातार बातचीत कर रही है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर तेहरान न्यूक्लियर हथियार हासिल करने से रोकने वाली डील पर सहमत नहीं होता है, तो अमेरिका मिलिट्री ऑपरेशन को फिर से शुरू करने के लिए तैयार है। व्हाइट हाउस में मीडिया से बात करते हुए वेंस ने कहा अमेरिकी राष्ट्रपति ने साफ कहा है कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार नहीं बना सकता। वेंस के मुताबिक, अगर ईरान परमाणु बम बना लेता है तो इससे दुनिया में हथियारों की नई दौड़ शुरू हो सकती है और मध्य पूर्व समेत कई इलाकों में अस्थिरता बढ़ सकती है। वेंस ने कहा कि सरकार को लगता है कि ईरान समझौता करना चाहता है और हाल की बातचीत में कुछ प्रगति भी हुई है। उन्होंने कहा कि हमें लगता है कि ईरान डील करना चाहता है। लेकिन इसका पता तभी चलेगा जब समझौते पर वास्तव में हस्ताक्षर होंगे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि उनकी हाल की कूटनीतिक यात्रा का मकसद यह दिखाना था कि अमेरिका ईमानदारी से बातचीत करना चाहता है। उन्होंने कहा, 'हम यह दिखाना चाहते थे कि हम अच्छे इरादे से बातचीत कर रहे हैं। लेकिन बातचीत नाकाम रही तो राष्ट्रपति ट्रंप सैन्य दबाव बढ़ाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि दूसरा विकल्प यह है कि हम फिर से सैन्य अभियान शुरू कर सकते हैं। हम ऐसा नहीं करना चाहते, लेकिन जरूरत पड़ी तो राष्ट्रपति इसके लिए पूरी तरह तैयार हैं। वेंस ने ईरान को 'बहुत जटिल देश' बताया और कहा कि वहां कई ताकतवर समूह हैं, इसलिए यह समझना मुश्किल होता है कि बातचीत में ईरान वास्तव में क्या चाहता है।

उन्होंने कहा कि कई बार यह समझना कठिन हो जाता है कि ईरान बातचीत से आखिर हासिल क्या करना चाहता है। वेंस ने उन खबरों को भी खारिज कर दिया, जिनमें कहा जा रहा था कि भविष्य के किसी समझौते के तहत रूस, ईरान के समृद्ध यूरेनियम भंडार को अपने नियंत्रण में ले सकता है। उन्होंने कहा कि? यह हमारी मौजूदा योजना नहीं है और कभी हमारी योजना रही भी नहीं।

प्रेस ब्रीफिंग के दौरान वेंस ने सरकार की व्यापक संघर्ष नीति का बचाव भी किया और कहा कि मौजूदा संघर्ष विराम को अंतहीन युद्ध नहीं समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि सक्रिय संघर्ष करीब पांच से साढ़े पांच हफ्ते चला। यह कोई हमेशा चलने वाला युद्ध नहीं है। हम अपना काम पूरा करेंगे और वापस घर आएंगे। उपराष्ट्रपति ने घरेलू मुद्दों पर भी बात की, जिनमें इमिग्रेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और राजनीतिक हिंसा शामिल थे। उन्होंने कहा कि व्हाइट हाउस की एंटी-फ्रॉड टीम ने मेडिकेयर, मेडिकेड और इमिग्रेशन सिस्टम में 'अरबों डॉलर की धोखाधड़ी' का पता लगाया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर वेंस ने कहा कि सरकार चाहती है कि अमेरिका इस तकनीक की दौड़ में सबसे आगे रहे, साथ ही लोगों की निजता और राष्ट्रीय सुरक्षा भी सुरक्षित रहे। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति चाहते हैं कि हम इनोवेशन के पक्ष में रहें। वे चाहते हैं कि एआई की दौड़ में अमेरिका दुनिया के बाकी देशों से आगे रहे।' वेंस ने हाल में हुई राजनीतिक और धार्मिक हिंसा की घटनाओं की भी निंदा की। इनमें कैलिफोर्निया में एक मुस्लिम कम्युनिटी सेंटर के पास हुई घातक गोलीबारी और रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हत्या जैसी घटनाएं शामिल थीं।

अगले महीने हो सकती है पीएम मोदी-राष्ट्रपति ट्रंप की मुलाकात, मैक्रों के निमंत्रण से चर्चाएं तेज

पेरिस, एजेंसी। अगले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात हो सकती है। यह मुलाकात फ्रांस में होने वाले जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान होने की संभावना है।

अगर ऐसा होता है, तो 16 महीनों से भी ज्यादा समय के बाद दोनों नेता पहली बार आमने-सामने होंगे। फिलहाल पूरी दुनिया की नजरें इस संभावित मुलाकात पर टिकी हैं। इमैनुएल मैक्रों के आमंत्रण पर पीएम मोदी जाएंगे फ्रांस फ्रांस के एवियन-लेस-बैंस में 15 से 17 जून तक जी7 शिखर सम्मेलन का आयोजन होगा। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रधानमंत्री मोदी को इस बैठक में शामिल होने के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया है। हालांकि भारत इस समूह का सदस्य नहीं है, फिर भी एक महत्वपूर्ण भागीदार देश के तौर पर भारत को बुलाया गया है। राष्ट्रपति मैक्रों ने फरवरी में भारत दौरे के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस सम्मेलन में आने का न्योता दिया था।

दक्षिणी कैलिफोर्निया के जंगल में लगी आग

सैक्रामेंटो, एजेंसी। दक्षिणी कैलिफोर्निया में मंगलवार को 17,000 से अधिक लोगों को निकासी के आदेश दिए गए, क्योंकि जंगल की आग से उपनगरीय घरों को खतरा था। तेज हवाओं के कारण लगी सैंडी आग सोमवार को लॉस एंजिल्स से लगभग 30 मील (48 किलोमीटर) उत्तर-पश्चिम में सिमी घाटी के ऊपर पहाड़ियों में देखी गई। वेंटुरा काउंटी अग्निशमन विभाग के अनुसार, मंगलवार सुबह तक आग ने दो वर्ग मील (पांच वर्ग किलोमीटर) से अधिक सूखे झाड़ियों को जलाकर राख कर दिया था और कम से कम एक घर को नष्ट कर दिया था। विभाग के प्रवक्ता एंड्रयू डाउड ने बताया कि आग की लपटें शुरू में 30 मील प्रति घंटे (48 किलोमीटर प्रति घंटे) से अधिक की रफ्तार वाली तेज हवाओं के कारण भड़क उठीं, लेकिन रात भर हवा शांत होने से दमकलकर्मियों को मदद मिली। उन्होंने कहा कि मौसम में सुधार होने से हमने इस आग पर काबू पाने में काफी प्रगति की है। उन्होंने बताया कि टीमें हवाएं फिर से तेज होने से पहले और अधिक प्रगति करने की उम्मीद कर रही हैं। 125,000 से अधिक आबादी वाले शहर सिमी वैली के कई इलाकों के लिए अभी भी निकासी के आदेश और चेतावनी जारी थी। इसी बीच, दमकलकर्मी दक्षिणी कैलिफोर्निया तट से दूर सांता रोजा द्वीप पर 23 वर्ग मील (59 वर्ग किलोमीटर) में फैली भीषण आग से जूझ रहे थे। आग ने एक केबिन और एक उपकरण शेड को नष्ट कर दिया और राष्ट्रीय उद्यान सेवा के 11 कर्मचारियों को वहां से सुरक्षित स्थान पर ले जाना पड़ा।

अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो 23 से 26 मई तक भारत दौरे पर, क्वाड और रक्षा सहयोग पर होगी अहम चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो चार दिवसीय दौरे पर भारत आ रहे हैं। वे शनिवार को भारत पहुंचेंगे और 23 से 26 मई तक देश के अलग-अलग राज्यों का दौरा करेंगे। इस दौरान क्वाड साझेदारी, ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और रक्षा सहयोग पर मुख्य रूप से चर्चा होने की उम्मीद है। जानकारी के अनुसार, मार्को रूबियो भारत यात्रा के दौरान कोलकाता, आगरा, जयपुर और दिल्ली जाएंगे। अमेरिकी विदेश विभाग ने मंगलवार को रूबियो की यात्रा योजनाओं की घोषणा की। विभाग ने जानकारी दी कि भारत आने से पहले 22 मई को मार्को रूबियो सबसे पहले स्वीडन के हेलसिंगबोर्ग जाएंगे, जहां वे नाटो विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी

पिगॉट ने एक बयान में कहा, 'विदेश मंत्री भारतीय वरिष्ठ अधिकारियों के साथ होने वाली बैठकों के दौरान ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और रक्षा सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा करेंगे।' नई दिल्ली में भारतीय नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकों के अलावा, रूबियो के क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भी शामिल होने की उम्मीद है। इस बैठक में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री शामिल होंगे। एक इंटरव्यू में संयुक्त राज्य अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच के अध्यक्ष मुकेश अघी ने कहा कि रूबियो की यह यात्रा इस क्षेत्र और व्यापक भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी, दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण समय पर हो रही है। अघी ने आईएएनएस से कहा, 'अब समय आ गया है कि हम क्वाड को फिर से सक्रिय करें। खासकर मध्य पूर्व में मौजूदा चुनौतियों को देखते हुए यह बहुत महत्वपूर्ण है।' उन्होंने बताया कि अमेरिका और भारत के बीच होने वाली चर्चाओं में होर्मुज स्ट्रेट से जुड़ी समुद्री सुरक्षा चिंताओं और व्यापक क्षेत्रीय स्थिरता के मुद्दों को भी शामिल किए जाने की उम्मीद है। अघी ने कहा, 'होर्मुज स्ट्रेट के संबंध में भारत और अमेरिका के बीच चर्चा होना बेहद जरूरी है। आपको यह समझना होगा कि इस क्षेत्र में भारत के पास सबसे बड़ी नौसेनाओं में से एक है।' अघी ने यह भी कहा कि भारत, चीन के साथ हाल ही में हुई राजनयिक वार्ताओं और इस क्षेत्र पर उनके संभावित प्रभावों के बारे में स्पष्टता चाहेगा। उन्होंने कहा, 'विदेश मंत्री रूबियो के लिए भारत सरकार को चीन यात्रा के बारे में जानकारी देना महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका भारत पर भी असर पड़ता है।' उन्होंने आगे कहा, 'भारत यह समझना चाहेगा कि इन घटनाक्रमों का उस पर किस तरह का प्रभाव पड़ेगा। अघी के अनुसार, यह यात्रा एक 'उपयुक्त समय' पर हो रही है और उम्मीद है कि इसमें दोनों देशों को प्रभावित करने वाले कई मोर्चों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी की इटली के कलाकारों ने जमकर की प्रशंसा, बोले- यादगार रहा अनुभव

रोम, एजेंसी। पांच देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इटली पहुंचे हैं। यहां भारतीय नागरिकों के साथ-साथ इटली के लोग भी उनका स्वागत करने पहुंचे। इस अवसर पर इटालियन कलाकारों ने संगीत, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर प्रधानमंत्री का अभिनंदन किया। इटालियन कलाकार फ्रांसेस्को घेरार्दी ने प्रधानमंत्री मोदी के सामने प्रस्तुति देने के बाद अपना अनुभव शेयर किया। उन्होंने आईएएनएस से कहा कि भारतीय पीएम की मौजूदगी बेहद सकारात्मक थी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री पूरी प्रस्तुति के दौरान तालियां बजाते रहे और कलाकारों का उत्साह बढ़ाते रहे। फ्रांसेस्को ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री से हाथ मिलाने और तस्वीरें खिंचवाने का भी अवसर मिला। कलाकार वैलेरियो ब्रूनी ने कहा, 'मुझे लगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सचमुच बहुत उत्साहित थे। उन्होंने हमारी प्रस्तुति को ध्यान से देखा और बाद में तालियां बजाईं। मुझे लगता है कि उन्होंने हमारी प्रस्तुति की सराहना की।' निकोलो

मेलोची ने इसे अपने लिए यादगार अवसर बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के सामने पूरी टीम के साथ प्रस्तुति देना शानदार अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री से कुछ शब्दों में बातचीत करने का भी मौका मिला। वहीं एक अन्य कलाकार सिमोन मैटिएलो ने कहा कि पूरा कार्यक्रम बहुत आनंदमय था। प्रधानमंत्री मोदी कलाकारों की प्रस्तुति से जुड़ाव महसूस कर रहे थे। लियो वर्तुन्नी ने कार्यक्रम के माहौल को ऊर्जा और उत्साह से भरपूर बताते हुए कहा कि वहां मौजूद भारतीय समुदाय का अपने प्रधानमंत्री के प्रति प्रेम साफ दिखाई दे रहा था। उन्होंने कहा, 'वहां जबरदस्त ऊर्जा थी और हम भारतीय लोगों का अपने प्रधानमंत्री के प्रति प्रेम महसूस कर सकते थे। वहां उत्सव और ऊर्जा का एक दिलचस्प मेल था। मार्टिना अर्गाडा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कलाकारों की प्रस्तुति को बेहतरीन बताया। उन्होंने इस अवसर के लिए रोम स्थित भारतीय दूतावास का आभार व्यक्त किया। मार्टिना अर्गाडा ने कहा, 'उन्होंने (पीएम मोदी) हमसे कहा कि प्रस्तुति बेहतरीन थी। हम रोम में भारतीय दूतावास के बहुत आभारी हैं कि उन्होंने हमें भारतीय प्रधानमंत्री के सामने प्रस्तुति देने का अवसर दिया।' वहीं, कथक कलाकार रोसेला फेनेली ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में कथक प्रस्तुति देना उनके लिए बेहद भावुक और खास अनुभव रहा। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में उन्हें भारत में प्रधानमंत्री मोदी से मिलने का अवसर मिलेगा। फेनेली ने कहा, 'यह मेरे और मेरे दोस्तों के लिए बहुत अच्छा अनुभव था। हम लंबे समय से इंतजार कर रहे थे, इसलिए हमारी भावनाएं बहुत उमड़ रही थीं। मैं इस अवसर को एक बहुत अच्छा अनुभव मानती हूं और मुझे उम्मीद है कि हम भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिल पाएंगे।

राजनाथ सिंह ने शहीद सैनिकों को दी श्रद्धांजलि, भारत-दक्षिण कोरिया रक्षा सहयोग बढ़ाने पर फोकस

सियोल, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल स्थित सियोल नेशनल सेमेट्री पहुंचकर देश के लिए बलिदान देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने विशेष रूप से कोरियाई युद्ध के दौरान जान गंवाने वाले सैनिकों को याद करते हुए राष्ट्रीय स्मारक स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की और मौन रखकर सम्मान प्रकट किया। सियोल नेशनल सेमेट्री दक्षिण कोरिया के उन सैनिकों और नागरिकों की स्मृति में बनाया गया है जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर किए। यह स्मारक राष्ट्रीय सम्मान, बलिदान और देशभक्ति का प्रतीक माना जाता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की यह यात्रा भारत और दक्षिण कोरिया के बीच रक्षा और रणनीतिक सहयोग को और मजबूत करने के उद्देश्य से हो रही है। वह मंगलवार को दक्षिण कोरिया पहुंचे थे, जहां भारत के राजदूत गौरंगलाल दास और वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

पीएम मोदी पर नस्लीय कार्टून बनाने पर विवाद; निशाने पर आया नॉर्वे का अखबार

ओस्लो, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नॉर्वे यात्रा के दौरान एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। नॉर्वे के प्रमुख अखबार 'आफ्टेनपोस्टन' ने पीएम मोदी का एक बेहद नस्लभेदी और आपत्तिजनक कार्टून प्रकाशित किया है। इस कार्टून में उन्हें एक सपेरे के रूप में चित्रित किया गया है, जिसके हाथ में सांप के आकार का फ्यूल स्टेशन पाइप है। इस घटना ने पश्चिमी मीडिया की पुरानी औपनिवेशिक मानसिकता को फिर से उजागर कर दिया है।

इस विवादित इलस्ट्रेशन के साथ 'एक चतुर और थोड़ा परेशान करने वाला आदमी' शीर्षक से एक लेख भी छापा गया है। यह घटना तब सामने आई जब एक नॉर्वेजियन पत्रकार हेले लिंग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस न करने पर सवाल उठाए थे। इंटरनेट पर इस कार्टून की कड़ी आलोचना हो रही है और लोग इसे भारत का सरासर अपमान बता रहे हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी देश की लोकतांत्रिक ताकत का मजबूती से बचाव किया है।

औपनिवेशिक मानसिकता का प्रदर्शन : इंटरनेट पर यूजर्स इस कार्टून को नस्लभेदी और पुराने औपनिवेशिक रूढ़ियों से प्रेरित बता रहे हैं। लोगों का कहना है कि पश्चिमी मीडिया अभी भी भारत को केवल सपेरों के देश के रूप में देखता है। यह नकारात्मक छवि भारत और उसके चुने हुए लोकतांत्रिक नेता दोनों के प्रति गहरी असम्मान की भावना दिखाती है।

यह घटना बेहद विडंबनापूर्ण है क्योंकि पीएम मोदी ने स्वयं इस पुरानी धारणा का स्पष्ट जिक्र किया था। साल 2014 में अमेरिका में उन्होंने कहा था

कि भारत अब सपेरों का नहीं बल्कि माउस चार्मर्स का देश है। तकनीक के क्षेत्र में भारत की भारी प्रगति के बावजूद पश्चिमी देशों में ऐसी पिछड़ी सोच आज भी जीवित है।

पश्चिमी मीडिया की कड़ी आलोचना : सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कई यूजर्स ने इस कृत्य की बहुत ही कड़े शब्दों में निंदा की है। एक यूजर ने लिखा कि यूरोपीय लोग अभी भी अपनी पुरानी औपनिवेशिक कल्पनाओं से पूरी तरह बाहर नहीं आ पाए हैं। साल 2022 में भी स्पेन के एक अखबार ने भारत की आर्थिक वृद्धि पर ऐसा ही एक विवादित कार्टून छापा था। यह पूरा विवाद नॉर्वेजियन पत्रकार हेले लिंग के एक तीखा सवाल पूछने के तुरंत बाद शुरू हुआ था। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस न होने और भारत में मानवाधिकारों को लेकर कई तीखे सवाल उठाए थे। इस बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी बहस छिड़ गई। विदेश मंत्रालय की कड़ी प्रतिक्रिया भारतीय विदेश मंत्रालय के सचिव सिबी जॉर्ज ने आलोचकों को करारा जवाब देते हुए भारत का दृढ़ता से बचाव किया। उन्होंने कहा कि अकेले दिल्ली में 200 टीवी चैनल हैं जो हमारी मजबूत मीडिया की स्वतंत्रता को दर्शाते हैं। उन्होंने चुनिंदा और अज्ञानी एनजीओ की रिपोर्टों के आधार पर राय बनाने वालों की बहुत कड़ी आलोचना की।

भारतीय राजनयिक ने स्पष्ट किया कि पश्चिमी आलोचकों को भारत के बड़े पैमाने की कोई समझ बिल्कुल नहीं है। यहां हर दिन अलग-अलग भाषाओं में ब्रेकिंग न्यूज आती है जो हमारे मजबूत लोकतांत्रिक ढांचे का एक बड़ा सबूत है। संविधान द्वारा दिए गए अधिकार यह साबित करते हैं कि भारत एक जीवंत और पूरी तरह से स्वतंत्र देश है।

हेल्थ के साथ पाएं वेल्थ

आज आयुर्वेद का जमाना है और लोग अंग्रेजी दवाइयां खाकर ऊब चुके हैं, यही नहीं इन दवाओं के साइड इफेक्ट से लोग हमेशा डरते रहते है। यदि कोई गंभीर बीमारी है तो चेकअप वगैरह कराने में ही दम फूल जाता है।

आम आदमी तो किसी सरकारी हॉस्पिटल की राह देख लेता है, पर अमीर की बात ही कुछ और है, क्यों कि वह हेल्थ इंश्योरेंस के सहारे निजी अस्पतालों में इलाज करा लेता है और उस पर असर नहीं के बराबर पड़ता है।

- आज भागमभाग की जिन्दगी में लोग अपने पुराने आचार-विचार को भूल कर प्रदूषण की दुनिया में जीवन यापन कर रहे हैं। ऐसा कोई घर नहीं है, जहां कोई बीमार ना हो , लेकिन ना तो उनके पास व्यायाम का समय है ना खाने न पीने का। ऐसे में बीमारियों का लगना कौन रोक सकता है।
- लोगों में प्रतिरोधक-शक्ति का विकास हो और आदमी में बीमारी से लड़ने की शक्ति जागृत हो तो छोटी-मोटी बीमारियां आदमी के ऊपर अटैक नहीं कर पाएंगी।
- हर रोज नए आयुर्वेदिक नुस्खे बताए जा रहे हैं और उनको मार्केट में डाला जा रहा है।
- डाबर के उत्पाद बाजार में छाए है बैद्यनाथ, झंडू और भी जाने कितने ही आयुर्वेद की कम्पनी जैसे रामदेव, आसाराम, सुदर्शन महाराज, महर्षि आयुर्वेद काम कर रही हैं।

फायदेमंद नुस्खा

शुगर के मरीजों को अक्सर काफी परेशानियों का सामना करना होता है। जरा से कोई बताए कि फलां औषधि फायदेमंद है, वे या उनके परिजन तुरंत ट्राई करने में लग जाते हैं। लेकिन रिस्क भी काफी रहती है।

- आइए जानते हैं एक नुस्खे के बारे में जो शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद है।
- पनीर डोडा नाम की जड़ी-बूटी आपको अत्तार के दुकान पर आसानी से मिल जाएगी। आधे गिलास पानी में इसके 8-10 फल रात को पानी में भिगो दीजिये। सुबह होते ही इनको मसल के छान लें, अब जो पानी बचा है, उसको सुबह निन्हें मुंह यानी खाली पेट पी लें, एक हफ्ते में आपको लगने लगेगा कि आपका शुगर लेवल काम हो रहा है। यदि आप चाहे तो दो टाइम भी ले सकते हैं, साथ ही सुबह और शाम टहलना जारी रखें ।
- खाना ना पचने वालों के लिए भी एक उपाय है। की वह भोजन के दौरान पानी कम पीएं और खाना खाने के बाद दो घंटे बाद कम से कम एक लीटर पानी पीने की आदत डालें।
- यदि आप चाहते हैं कि आपको पथरी की शिकायत ना हो तो आपको चाहिए की खाना खाने के बाद निश्चित रूप से मूत्र विसर्जन करने की आदत डालें।

एलोविरा

आयुर्वेद की दवाइयां काफी प्रचलित हो रही हैं। आपने एलोविरा का नाम तो सुना ही होगा। यदि एलोविरा का बना कोई भी उत्पाद लें तो उसके लाभकारी परिणाम सामने आएंगे?

हर तरह से है लाभकारी

यदि आप एलोवेरा का प्रयोग शुरू करते हैं तो लाभ निश्चित है। कोई भी इसके फायदे को नकार नहीं सकता है।

- एलोविरा जेल के उपयोग से बहुत- सी असाध्य बीमारियां ठीक होती हैं।

आयुर्वेद में कहां से आया वेल्थ

बाजार में बहुत सी आयुर्वेदिक कम्पनी सक्रिय हैं, जिनके उत्पाद सिर्फ अपने सदस्यों को ही देती हैं। साथ ही उस पर इंसेंटिव भी देती है। इनको नेटवर्क से जोड़कर वे लोगों की औसत आमदनी का जरिया बना रही हैं। यदि कोई इनसे जुड़ना चाहता है तो जुड़ भी सकता है। इसका लाभ यह होता है कि इससे किसी लाइलाज बीमारी का इलाज संभव हो जाता है साथ ही दुआएं भी मिलती हैं।

- एक साइट है फॉरएवरलिविंग.कॉम इस पर जाकर इनके प्रॉडक्ट को देखा जा सकता है और किसी के माध्यम से जुड़ सकते हैं।
- यह संस्था दावा करती है कि गठिया, दमा, हृदय रोग, पाचन समस्या, किडनी समस्या, मोटापा एवं त्वचा संबंधी रोग का निदान संभव है।
- नियमित खान-पान और निश्चित व्यायाम आपके शरीर को निरोगी बना सकता है, पर समय देना आपके ऊपर है। ऐसे में आपको निर्णय लेना है कि आप धन देकर सेहतमंद रहना चाहते हैं या नियमित दिनचर्या से।
- शरीर आपका है और आप ही इसकी रखवाले हैं तो निरोगी काया रहेगी तो माया तो कमा ही सकते हैं।

खुशियों का खजाना आपके ही पास है

आइए इस बात को थोड़ा और आसान ढंग से समझते हैं। याद कीजिए कि पिछली बार कब आपने अपने शरीर और आत्मचेतना को तनावमुक्त और गैर बोझिल महसूस किया था। उस मनोदशा की विशिष्ट ऊर्जा ने आपको अपने काम में अच्छा प्रदर्शन करने, लोगों के साथ गहराई से जुड़ने, काम में खुलकर रचनात्मकता की अभिव्यक्ति करने, रेंगते हुए ट्रैफिक में मुस्कराने, जाम के खुलने का मुस्कराते हुए इंतजार करने और घर लौटकर परिवार के साथ प्यार के पलों को बांटने के लिए प्रेरित किया होगा। कल्पना कीजिए इसी खुशी की फसल अगर आप हर दिन काट सकें, तो कितना अच्छा हो? अगर आप अपना ध्यान पूरी तरह से केन्द्रित करें, तो सच्ची प्रसन्नता को हासिल करना कोई मुश्किल काम नहीं है।

मालीक्युलर बॉयोलॉजिस्ट से बौद्ध भिक्षु बने मैथ्यू रिकार्ड ने शताब्दियों पुराने बौद्ध दर्शन के बौद्धिक संदेशों को आधुनिक वैज्ञानिक शोधों के निष्कर्षों के साथ जोड़ने का सार्थक प्रयास किया है। उनकी सोच के अनुसार खुश रहना मात्र एक सुखद अहसास, एक सुंदर भाव या एक अच्छे मूड से ही संबंधित नहीं है, बल्कि ये आपका बुनियादी सुखद अस्तित्व है। यह संसार की व्याख्या करने का एक तरीका है। संसार को बदलना मुश्किल होगा, पर संसार को देखने के नजरिए को बदलना तो संभव है।

निश्चित तरीका नहीं

यह सच है कि खुशी पाने का कोई एक निश्चित तरीका या फार्मूला नहीं है। इसलिए वही तरीका या ढंग अपनाएं, जो आपके लिए उपयुक्त हो। इस संदर्भ में आपको अपने ही अंदर खुशी का खजाना खोजने का दृढ़ संकल्प लेना होगा। आपको कुछ ऐसी आदतों को अपनाना होगा, जिनका पालन शताब्दियों से प्रबुद्ध लोग करते आए हैं। इन प्रबुद्धजनों की बातों को न्यूरो-साइंटिफिक रिसर्च में भी सही पाया गया है।

ध्यान लगाएं

खुश और शांत रहने के लिए मेडिटेशन से अधिक कोई भी अन्य तरीका काम नहीं करेगा। आंखें बंदकर अपना पूरा ध्यान सांस पर केन्द्रित करें। कल्पना कीजिए कि आप अपने शरीर-रूपी मंदिर में प्रवेश कर रहे हैं। शांति की भावना को महसूस करें। प्रारंभ में इस विधि को पांच मिनट तक करें और अभ्यास होने के साथ ही समय बढ़ाती जाएं। मेडिटेशन के लिए ऐसी जगह चुनें, जहां कोई आपको बाधा न पहुंचाए।

माफ करें और भूलना सीखें

सकारात्मक सोच और दूसरों को माफ करने के जज्बे पर भरोसा रखें। क्रोध, ईर्ष्या और जलन जैसे नकारात्मक विचारों से स्वयं को मुक्त रखें, क्योंकि ऐसे विचार हमारे सुख व शांति के अहसास को छीन लेते हैं। दूसरे को माफ करना खुशियां पाने का सशक्त माध्यम है।

न दें अनुचित सुविधाएं

अक्सर लाड़-प्यार के चलते, कई माता-पिता अपने कम उम्र के बच्चों का ड्राइविंग लाइसेंस बनवा देते हैं और कई बार अपनी गन-रिवॉल्वर उनकी पहुंच के अन्दर रखते हैं। इस असावधानी के कारण आए दिन अनेक दुर्घटनाएं घटती हैं और हादसे के शिकार व्यक्तियों का स्वास्थ्य खतरे में पड़ जाता है।

- जब हम स्वयं के साथ शान्ति अनुभव नहीं करते तो हम मानसिक एवम् भावात्मक व्याधियों से ग्रस्त हो जाते है। आक्रामक एवं हिंसात्मक विचार हमारी सोच को नकारात्मक बना देते हैं तथा हमारा हृदय क्रोध, द्वेष और ईर्ष्या से भर उठता है।
- टेलीविजन तथा अन्य संस्थाओं द्वारा बच्चों -वयस्कों के लिए आयोजित रियलिटी शो एवम् अनेक प्रकार की प्रतिस्पर्धाएं अधिकांश प्रतियोगियों की मानसिकता को गलत तरीके से प्रभावित करती हैं।

हम और हमारा स्वास्थ्य

आज वक्त की मांग है कि हम अपने आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखते हुए स्वयं को स्वस्थ रखें।

- स्वस्थ शरीर, स्वस्थ विचार एवं स्वस्थ बुद्धि का मूर्त रूप ही आरोग्य है। दरअसल, आरोग्य वह अवस्था है, जिसमें हम प्रकृति एवं वातावरण से सामंजस्य स्थापित करते हुए जीवन का आनंद लेते हैं।
- हम वास्तविक रूप से तभी स्वस्थ होते हैं ,जब हम स्वयं को मानसिक, भौतिक, भावात्मक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक स्तर पर स्वस्थ अनुभव करते हैं।

जीवनशैली बदलाव कर इलाज का खर्चा बचाएं

अपनी वर्तमान जीवनशैली में उचित बदलाव लाकर हम अपनी दवाइयों का खर्चा कम कर सकते हैं। केवल उचित खान-पान ही नहीं, वरन उचित विचार एवं उचित आचरण द्वारा ही हम निरोग हो सकते हैं ।

- माता-पिता और अभिभावकों को बच्चों को सही आहार और साफ-सफाई से रहने के साथ-साथ एक अच्छा इंसान बनने की भी शिक्षा देनी चाहिए।
- वसायुक्त एवं रेशाहीन आहार तथा शारीरिक श्रम का अभाव डायबिटीस, उच्च रक्तचाप एवं हृदय रोग जैसी बीमारियों के प्रमुख कारण हैं। आज के दौर के पढ़े लिखे माता-पिता भी अपने नन्हे -मुन्नों को पिज्जा और बर्गर खिलाने तथा कोकाकोला आफर करने से गुरेज नहीं करते हैं। इस प्रकार उनका स्वाद फास्ट फूड के लिए विकसित होकर, घर के पौष्टिक खाने को नकारने लगता है।
- अब तो गावों में भी कोकाकोला, चिप्स और ब्रेड का खूब प्रचलन हो गया है। आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम जान बूझ कर रोगों के जाल में फंसते चले जा रहे हैं ।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) मानव स्वास्थ्य पर शहरीकरण के प्रभावों को विशिष्ट रूप से दर्शाते हुए शहरों को एक बेहतर रहने लायक जगह बनाने पर जोर देता है।

स्वास्थ्य का रखें ख्याल

- रुपयों की इस अंधी दौड़ में भाग कर हम अपने मानसिक एवम् शारीरिक स्वास्थ्य का सत्यानाश कर रहे हैं। अपनी प्रतिभा का विकास करना अच्छी बात है, परन्तु केवल पैसे कमाने के उद्देश्य से नहीं, हम केवल निर्मल आनंद के लिए अपनी नृत्य, गायन, खेलकूद की रुचियों को विकसित क्यों नहीं करते? आधुनिक युग की चूहा दौड़ हमें एक स्वस्थ इंसान से एक बीमार पशु बना रही है ।
- हाल ही में सिंगापुर में हुए एक स्वास्थ्य सेवा सम्मलेन में विशेषज्ञों ने माना कि एशिया की स्वास्थ्य सेवाएं आधुनिक जीवनशैली की व्याधियों के बोझ तले दबी जा रही हैं।
- स्वाइन-बर्ड फ्लू और तपेदिक जैसे संक्रामक रोगों के साथ -साथ आर्थिक सम्पन्नता से जुड़ी हुई असंक्रामक

बीमारियों का भार दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है।

- तम्बाकू एवम् धूम्रपान का व्यसन भी भारत समेत अन्य देशों में लाखों लोगों की सेहत पर सवालिया निशान लगा रहा है।
- सिगरेट एवं गुटखा निर्माताओं की आक्रामक विज्ञापन तकनीक के आगे, सारे तम्बाकू विरोधी अभियान असफल सिद्ध होते प्रतीत हो रहे हैं। ये कम्पनियां मर्दानगी, आधुनिकता और तनाव-मुक्ति के नाम पर जनता को विष बेच रही हैं और इनके विरुद्ध कोई भी कार्यवाही नहीं की जा रही है।
- तम्बाकू सेवन का सीधा सम्बन्ध श्वास एवं फेफड़े की बीमारियों से है। जैसे कि अस्थमा, तपेदिक आदि। क्या ही अच्छा होता यदि हम तम्बाकूयुक्त पानमसाला चबाने के स्थान पर लौंग, इलाइची या सौंफ जैसी गुणकारी वस्तुओं का सेवन करने की बुद्धि रखते।

स्वस्थ मां की स्वस्थ संतान

किसी भी देश का स्वास्थ्य उसके बच्चों के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है और केवल स्वस्थ मां ही एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकती है, परन्तु यह हमारा दुर्भाग्य है कि अधिकांश भारतीय परिवारों में महिलाओं के स्वास्थ्य को वरीयता नहीं दी जाती है।

- पत्नी एवं माता की परम्परागत भूमिका में स्त्री का कर्तव्य परिवार के अन्य सदस्यों की देखभाल करना है, न कि स्वयं अपना भारतीय समाज आज के युग में भी लिंग के आधार पर भूमिकाएं निर्धारित करने में विश्वास रखता है।
- लड़कों को अविचारी और उग्रवादी बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है तथा लड़कियों को शर्मीला और सहनशील बनाने का प्रयास होता है। आगे चल कर यही असमानता अपने रंग दिखाना शुरू कर देती है।
- महिलाओं को जीवन पर्यंत भिन्न प्रकार के तिरस्कारों का सामना करना पड़ता है। फिर चाहे वो लिंग आधारित भ्रूण हत्या हो या दहेज न लाने के नाम पर जलाया जाना हो अथवा बलात्कार का शिकार होना हो। जो देश महिलाओं का सम्मान करना नहीं जानता, वह वास्तव में एक रोगी देश है।

बनें जिम्मेदार नागरिक

जिम्मेदार नागरिकों की हैसियत से हमें अपने रहने के स्थानों में उपवन संस्कृति को फिर से वापस लाना होगा, ताकि खुली हवा में सांस लेते हुए, हम शारीरिक व्यायाम के लाभ उठा सकें। स्कूल, कॉलेजों में खेलकूद और योगाभ्यास को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। मोटर बाइक और कार के स्थान पर युवक -युवतियों में साइकिल चलाना एक आधुनिक फैशन के रूप में विकसित करना होगा ।

टीकाकरण और स्वच्छता को बढ़ावा

समाज में ऐसे सुधार लाने की आवश्यकता है, जिनके द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं न केवल टीकाकरण और स्वच्छता को बढ़ावा दें, वरन जन मानस को संतुलित आहार, स्वस्थ जीवन शैली और नैतिक मूल्यों की भी शिक्षा भी प्रदान करें। यदि हमारे मन में शान्ति, प्रेम, अहिंसा के भाव होंगे तथा हम अमीरी के भड़कीले दिखावे से दूर रहेंगे, तो वास्तव में हमारा जीवन रोगमुक्त हो सकेगा। स्वस्थ रहने के लिए प्रसन्न रहना आवश्यक है और प्रसन्नता तभी मिलेगी, जब हम द्वेष के स्थान पर आनंद बांटे, तभी गांव-गांव और शहर- शहर में एक स्वस्थ और खुशहाल वातावरण बन पाएगा।

यात्रा मार्ग पर आवश्यक दवाओं की कमी न हो : डीएम

प्रशासन की टीम ने औषधि विक्रय प्रतिष्ठानों का किया निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : अपर आयुक्त महोदय खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तराखंड ताजबर सिंह जग्गी के निर्देश पर उप औषधि नियंत्रक खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तराखंड हेमंत नेगी द्वारा चारधाम यात्रा के दृष्टिगत गठित औषधि निरीक्षकों की संयुक्त टीम द्वारा बद्रीनाथ, गोविन्द घाट एवं जोशीमठ स्थित विभिन्न औषधि विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी चमोली गौरव कुमार के सख्त निर्देश हैं की यात्रा मार्ग पर आवश्यक दवाओं की कमी नहीं होनी चाहिए, साथ ही दवाओं का दुरूपयोग नशे के लिए ना हो इस पर कड़ी निगरानी रखी जाये, ताकि यात्रा सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से संचालित होती रहे।

चारधाम यात्रा 2026 को सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से संचालित करने हेतु खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तराखण्ड एवं जिला प्रशासन चमोली द्वारा विशेष सतर्कता बरती जा रही है। इसी क्रम में अपर आयुक्त / औषधि नियंत्रक उत्तराखण्ड ताजबर सिंह जग्गी एवं जिलाधिकारी गौरव कुमार के निर्देशों के अनुपालन में गुरूवार को एक संयुक्त निरीक्षण दल द्वारा औषधि विक्रय प्रतिष्ठानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। टीम द्वारा सभी मेडिकल स्टोर्स पर औषधियों के क्रय-विक्रय अभिलेख, एक्सपायरी दवाओं के रख-रखाव, फार्मासिस्ट की उपस्थिति एवं कोल्ड चेन वाली दवाओं के भंडारण का गहन परीक्षण किया गया। नारकोटिक एवं साइकोट्रॉपिक दवाओं की बिक्री पर विशेष जांच की गयी, ताकि इन दवाओं का नशे के लिए दुरूपयोग होने से रोका जा सके। सभी दुकानदारों के एन.डी.पी.एस. एक्ट, 1985 तथा औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम 1940 के तहत रखे गए रजिस्टर, बिल बुक एवं स्टॉक की जांच की गई। बिना डॉक्टर के वैध प्रिस्क्रिशन के शेड्यूल्ड एवं नारकोटिक दवाओं की बिक्री नहीं करने के कड़े निर्देश दिए गए। नियमों का पालन न करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्यवाही अमल में लायी जाएगी। सभी दवा व्यवसायियों को औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 एवं नियमावली, 1945 के प्रावधानों के अंतर्गत ही दवा व्यवसाय संचालित करने हेतु सख्त दिशा-निर्देश निर्गत किए गए। औषधि निरीक्षक चमोली हार्दिक भट्ट ने कहा कि यात्रा मार्ग पर नशे के दुरुपयोग को रोकना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। औषधि निरीक्षकों को नारकोटिक दवाओं की हर खरीद-बिक्री पर कड़ी नजर रखने के निर्देश विभाग एवं जिलाधिकारी की ओर से दिए गए हैं। नियमों का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

कर्मचारियों के अटैचमेंट पर बीडीसी बैठक में हंगामा

नई टिहरी। थौलधार ब्लॉक की बीडीसी बैठक में गांवों में नियमित पेयजल आपूर्ति नहीं होने का मुद्दा प्रमुखता से छाया रहा। बाल विकास कार्यालय में तैनात तीन कनिष्ठ सहायकों को अन्यत्र अटैच करने पर सदस्यों ने कड़ा आक्रोश जताया। कहा तीन कनिष्ठ सहायकों का अन्यत्र अटैच होने से कार्यालय में कोई भी कामकाज नहीं हो पा रहा है। पूर्व सीएम बीसी खंडूडी के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। ब्लॉक प्रमुख सुरेंद्र भंडारी की अध्यक्षता में हुई बीडीसी बैठक में प्रधान सुमेरी बिष्ट ने धरवाल गांव में बंदरो और गोवंश से निजात दिलाने की मांग की।

उन्होंने कहा कि कृषि भूमि के चारों और घेरबाड़ लगाई जाए। सरस्वती रावत ने बाल विकास कार्यालय में तैनात तीन कनिष्ठ सहायकों को अन्यत्र अटैच करने पर नाराजगी जताइ। सीडीओ वरुणा अग्रवाल ने कनिष्ठ सहायक को तत्काल नियुक्त करने के निर्देश दिए। मंजखेत के प्रधान मनीषा राणा, पलियाण की प्रधान सुवदेई रावत ने बाल विकास विभाग की ओर से बच्चों को वितरित आहार की गुणवत्ता पर सवाल उठाए। कहा दुर्गंध वाले अंडे बांटे जा रहे हैं। जिस पर डीपीओ संजय गौरव गैर ने बताया कि आंगनबाड़ी हड़ताल पर थी। देर में वितरण से ऐसा हुआ होगा जिस पर सदस्यों ने कड़ा आक्रोश जताया। नायब तहसीलदार सुरेश भट्ट ने बताया कि 1140 काश्तकारों का फार्मर रजिस्ट्रेशन हो गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

विकास कार्यों की हकीकत परखी, सीडीओ ने दिए गुणवत्ता सुधार के निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पाटीसैंण में मुख्य विकास अधिकारी अशोक जोशी ने विभिन्न विकास योजनाओं और निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विकास कार्य गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ तय समय सीमा में पूरे किए जाएं। ब्लॉक मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान सीडीओ ने अधिकारियों, अवर अभियंताओं और कर्मचारियों से योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाटीसैंण बाजार स्थित पुराने सुलभ शौचालय की खराब स्थिति पर नाराजगी जताई। उन्होंने पुराने ढांचे को हटाकर आधुनिक सुविधाओं से लैस स्मार्ट शौचालय निर्माण के निर्देश दिए। साथ ही स्वच्छ पेयजल, बिजली और नियमित साफ-सफाई जैसी सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा, ताकि स्थानीय लोगों और यात्रियों को बेहतर सुविधा मिल सके। मुख्य विकास अधिकारी ने नयार नदी पर प्रस्तावित मोटर पुल की प्रगति की भी जानकारी ली। उन्होंने संबंधित विभागों को तकनीकी प्रक्रियाओं में तेजी लाकर कार्य आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। इस दौरान व्यापारी महावीर असवाल, टैक्सी यूनियन अध्यक्ष नंदन सिंह रावत समेत कई लोग मौजूद रहे।

जीबीपीआईईटी घुड़दौड़ी के छात्र प्रतिष्ठित कंपनियों में चयनित

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : गोविंद बल्लभ पंत अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (जीबीपीआईईटी) घुड़दौड़ी के छात्रों का विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में चयन हुआ है। कंपनी की ओर से प्रशिक्षण अवधि के दौरान छात्रों को 20,000 प्रतिमाह स्टाइपेंड प्रदान किया जाएगा। उसके बाद योग्यता व प्रदर्शन के आधार पर आकर्षक वार्षिक पैकेज निर्धारित किया जाएगा। सिविल इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा आकांक्षा, अभिषेक, स्मिता, सांजलि, रिया व नेहा का चयन वशिस्ट इंफ्रा इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली में हुआ है। इसके अतिरिक्त इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के दीपक कुमार, हर्ष गुप्ता, नेहा मेलकानी, ओम मेहरा, सचदेव राणा, अक्षिता नौटियाल, वेद पांडे का चयन नोकिया प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम में हुआ है। कंपनी की ओर से विद्यार्थियों को 3.20 लाख वार्षिक पैकेज दिया जाएगा। संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) वीके बंगा ने कहा कि छात्रों की यह सफलता उनकी मेहनत, संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं प्रशिक्षण व्यवस्था का परिणाम है। संस्थान के डीन, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट, डॉ. केएस भाटिया, डॉ. बीएस खाती एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. एमके अग्रवाल, प्लेसमेंट समन्वयक डॉ. सरीष चंद्रवंशी, डॉ. पुष्कर प्रवीण ने छात्रों के चयन पर खुशी जताई है।

23 मई को खुलेगें हेमकुंड साहिब के कपाट, पहला जत्था श्रीनगर से रवाना

श्रीनगर गढ़वाल : सिख श्रद्धालुओं के पवित्र तीर्थ स्थल हेमकुंड साहिब के कपाट 23 मई को श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। यात्रा के लिए ऋषिकेश से पंज प्यारों का पहला जत्था बुधवार रात श्रीनगर स्थित गुरुद्वारे पहुंचा, जहां श्रद्धालुओं ने उनका भव्य स्वागत किया। बृहस्पतिवार सुबह गुरुद्वारे में विशेष शबद कीर्तन और अरदास का आयोजन किया गया। इसके बाद पंज प्यारों की अगुवाई में पहला जत्था गोविंदघाट के लिए रवाना हुआ।

जत्थे में करीब 350 श्रद्धालु शामिल रहे। सबसे आगे पंज प्यारों का जत्था चल रहा था, जबकि पीछे श्रद्धालु जो बोले सो निहाल के जयकारों के साथ यात्रा पर निकले। श्रद्धालु बृहस्पतिवार को गोविंदघाट पहुंचने के बाद आगे हेमकुंड साहिब की पैदल यात्रा शुरू करेंगे। यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। श्रीनगर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रबंधक हरविंदर सिंह लक्की ने बताया कि यात्रा के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

मास्टर प्लान के तहत बना अस्पताल का काम अंतिम चरण में

चमोली। मास्टर प्लान के तहत बदरीनाथ धाम में नए अस्पताल का भवन बनकर तैयार हो गया है। भवन में अब कार्य अंतिम चरण में है। जून माह में अस्पताल को इसमें शिफ्ट करने की तैयारी चल रही है। बदरीनाथ धाम में यात्रियों के लिए मास्टर प्लान के तहत अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस अस्पताल का भवन तैयार किया जा रहा है। अस्पताल भवन का अधिकांश कार्य पूरा हो चुका है। इस नए अस्पताल में आधुनिक तकनीकी से लैस सुविधाएं होंगी। आपातकाल वार्ड होगा, ऑपरेशन थिएटर, मशीनें, सभी तरह की जांच की सुविधा उपलब्ध होगी। अस्पताल यहां शिफ्ट होने पर मरीजों को रेफर नहीं करना पड़ेगा।

श्रीदेव सुमन विवि में अब ऑनलाइन होगी उत्तर पुस्तिकाओं की जांच

नई टिहरी। श्रीदेव सुमन विवि प्रशासन ने परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी, व्यवस्थित और प्रभावी बनाने के लिए उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैनिंग आधारित स्क्रीन मूल्यांकन कार्य की शुरुआत कर दी है। विवि से संबद्ध 236 राजकीय महाविद्यालयों और निजी कॉलेज के छात्र–छात्राओं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन अब नई डिजिटल व्यवस्था के तहत किया जाएगा। विवि के कुलपति प्रो. एनके जोशी ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं को स्कैन कर डिजिटल पर उपलब्ध कराया जाएगा।

आग से कई हेक्टेयर जंगल जला, छाई धुंध

चमोली। कर्णप्रयाग–पोखरी मोटर मार्ग पर सेमी ग्वाड़ के जंगलों, सिमली, सिरोली, ऑली मज्याड़ी में आग सुबह से धधकती रही जिससे कई हेक्टेयर वन संपदा जल चुकी है। एक जगह आग बुझाई जा रही है तो दूसरी जगह लग जा रही है। वहीं आग के धुएं से वातावरण में धुंध छाई रही। धुएं के कारण लोगों को सांस लेने में दिक्कत और आंखों में जलन हो रही है। जंगल में आग लगने की घटनाएं बढ़ने से क्षेत्र का वायुमंडल दूषित हो गया है। चारों ओर काले बादल से छाए हैं जिससे वातावरण में उमस बढ़ गई है। वहीं बीते बुधवार को नारायणबगड़ के वन पंचायत भगोती तथा पश्चिमी पिंडर रेंज नारायणबगड़ के नलगांव बीट के जंगल में आग भड़क उठी।

वनक्षेत्राधिकारी अखिलेश भट्ट वनकर्मियों के साथ मौके पर आग बुझाने पहुंचे। भीषण आग को बुझाने में उन्हें घंटों मेहनत करनी पड़ी और आखिरकार देर रात उन्होंने आग पर काबू पा लिया। अधिकतर जंगलों में लगी आग बुझ गई है लेकिन पेड़ों के ठूंठ और जलकर गिरे पेड़ों से अभी तक धुआं उठ रहा है।

स्वाड़ी ग्राम पंचायत भी शराबबंदी मुहिम में हुई शामिल

नई टिहरी। जाखणीधार ब्लॉक के ग्राम पंचायत स्वाड़ी में शादी और सार्वजनिक समारोह में शराब परोसने पर प्रतिबंध लगाया गया है। ग्राम पंचायत की सार्वजनिक बैठक में निर्णय लिया गया कि पंचायत के फैसले का उल्लंघन करने वाले पर 31 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया जाएगा। गांव के प्रधान राकेश कुमाई की अध्यक्षता में हुई बैठक में महिलाओं ने गांव में शराब का प्रचलन बढ़ने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि गांव में विवाह समारोह की मेंहदी रस्म, मुंडन, जन्म दिन, शादी की सालगिरह और रिटायरमेंट आदि किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम में शराब पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगी। गांव की महिलाओं ने कहा कि शराब को बंद करने में ही समाज का हित है। प्रधान ने कहा कि ग्राम समाज को दूषित होने से बचाने के लिए गांव के सभी लोगों को ग्राम पंचायत के फैसले का सम्मान करना चाहिए। बैठक में तय किया गया कि पंचायत के फैसले का उल्लंघन करने पर संबंधित पर 31 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

हेमकुंड साहिब के लिए गोविंदघाट से आज पहला जत्था होगा रवाना

चमोली। 22 मई शुक्रवार को गोविंदघाट से पहला जत्था पंच प्यारों की अगुवाई में आर्मी बैंड की धुन के साथ हेमकुंड साहिब के लिए रवाना होगा और रविवार को हेमकुंड साहिब के कपाट खोल दिए जाएंगे। गुरुद्वारा प्रबंधन की ओर से यात्रा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। हेमकुंड साहिब के कपाट खोलने को लेकर गोविंदघाट और हेमकुंड साहिब गुरुद्वारे को फूलों से सजाया गया है। सेना के जवान पहले ही आस्था पथ से बर्फ हटाकर मार्ग सुचारु कर चुके हैं। बुधवार को ऋषिकेश से श्रद्धालुओं का पहला जत्था रवाना किया गया। पहले दिन जत्था श्रीनगर पहुंचा और बृहस्पतिवार को गोविंदघाट पहुंच गया। शुक्रवार सुबह अरदास के बाद जत्था हेमकुंड साहिब के लिए रवाना होगा। रात्रि विश्राम घांघरिया में करने के बाद जत्था 23 को सुबह हेमकुंड साहिब पहुंचेगा और हेमकुंड के कपाट खोल दिए जाएंगे। गुरुद्वारे के वरिष्ठ प्रबंधक सेवा सिंह ने बताया कि हेमकुंड साहिब की यात्रा को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शुक्रवार को पंच प्यारों की

अगुवाई में पहला जत्था रवाना होगा। पहले दिन तीन हजार से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। कुछ श्रद्धालु गोविंदघाट पहुंच चुके हैं। श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला लगातार बना हुआ है।

जगदीशिला डोली के दर्शन करने पहुंचे पूर्व सीएम हरीश रावत

नई टिहरी। विश्वनाथ जगदीशिला डोली यात्रा के गजा और नई टिहरी पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने स्वागत कर सुख–समृद्धि का आशीर्वाद लिया। नई टिहरी के बौराड़ी स्टेडियम में डोली पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने फूल–मालाओं, ढोल–दमाऊं और जयकारों के साथ स्वागत किया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत भी डोली के दर्शन और आशीर्वाद लेने पहुंचे।पूर्व सीएम रावत ने कहा कि मैं जय सियाराम वाला हूं। गांवों को खुशहाल बनाना सरकारों की जिम्मेदारी है। कहा कि बंदर, सुअर और गुलदार की समस्या भी गांवों में लोगों के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। यात्रा के संयोजक पूर्व मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी ने बताया कि लोक संस्कृति और तीर्थाटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पिछले 27 वर्षों से विश्वनाथ जगदीशिला डोली यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष यात्रा 28 अप्रैल को हरिद्वार से शुरू हुई थी। गढ़वाल और कुमाऊं मंडल के विभिन्न जिलों और गांवों का भ्रमण करते हुए यात्रा 24वें दिन नई टिहरी पहुंची। उन्होंने बताया कि 25 मई को गंगा दशहरा के अवसर पर भिलंगना ब्लॉक के विशोन पर्वत पर यात्रा का समापन होगा। इस मौके पर रामलीला समिति के अध्यक्ष देवेंद्र

नौडियाल, पूर्व विधायक भीम लाल आर्य, कमल सिंह मेहर, भगवान चंद रमोला, राकेश लांबा, जीतराम भट्ट, जयवीर मियां, शांति प्रसाद भट्ट, कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुरारी लाल खंडवाल मौजूद रहे।

गोपेश्वर पहुंचे केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, आज रुद्रनाथ जाएंगे

चमोली। केंद्र सरकार के गृह सचिव गोविंद मोहन बृहस्पतिवार को विशेष विमान से गोपेश्वर पहुंचे। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को वे चतुर्थ केदार रुद्रनाथ की तीर्थयात्रा पर जाएंगे। उनके साथ आईटीबीपी के एडीजी संजय गुंज्याल भी मौजूद हैं। बृहस्पतिवार को केंद्रीय गृह सचिव बीएसएफ (सीमा सुरक्षा बल) के एमआई–17 से अपराह्न 3 बजकर 40 मिनट पर गोपेश्वर खेल मैदान में पहुंचे। इसके बाद वे कार से लोनिवि के निरीक्षण भवन में पहुंचे जहां वह रात्रि प्रवास करेंगे। गृह सचिव शाम को गोपीनाथ मंदिर में होने वाली सायंकालीन आरती में भी प्रतिभाग करेंगे। बताया जा रहा है कि शुक्रवार और शनिवार को वे रुद्रनाथ की यात्रा पर रहेंगे और 24 को लौट जाएंगे। उनके कार्यक्रम को देखते हुए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। आईटीबीपी और पुलिस की ओर से सुरक्षा का जिम्मा संभाला गया है। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने बताया कि गृह सचिव शुक्रवार को रुद्रनाथ जाएंगे।

कागजों में आवंटित जमीन पर कब मिलेगा कब्जा

नई टिहरी। आंशिक बांध प्रभावित तिवाड़ गांव, मरोड़ा और तल्ला उप्पू के ग्रामीणों को डेढ़ बाद भी आवंटित भूखंड का कब्जा नहीं मिल पाया है जिससे ग्रामीणों में पुनर्वास निदेशालय के प्रति खासी नाराजगी बनी है। उन्होंने आवंटित भूखंड तक शीघ्र सड़क पहुंचाने और कब्जा देने की मांग की है। टिहरी बांध से आंशिक रूप से प्रभावित ग्रामीणों को अक्तूबर 2024 में गोरण और सिरांई में 163 परिवारों को कृषि भूखंड आवंटित किए गए थे। पुनर्वास निदेशालय ने आवंटित जमीन पर काश्तकार को कब्जा देने के साथ ही भूमि का सीमांकन कर सड़क भी पहुंचानी थी लेकिन जमीन आवंटन करने के एक डेढ़ साल बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है।

गांव के पूर्व प्रधान व राज्य आंदोलनकारी नरेंद्र सिंह राणा ने बताया कि बांध प्रभावितों को अभी जमीन केवल कागजों में ही आवंटित की गई है। धरातल पर जमीन कहां पर है, कितनी है काश्तकार को इसका कुछ पता नहीं है। लापरवाही इस कदर है, कि अभी तक सड़क पहुंचाने का कार्य भी शुरू नहीं किया गया है। उन्होंने आवंटित जमीन के लिए सड़क बनाने, जमीन का सीमांकन कर कब्जा देने की मांग की है।

आंशिक बांध प्रभावित ग्रामीणों को गोरण और सिंराई में समतुल्य जमीन आवंटित की गई है। कुछ क्षेत्र में सीमांकन कर दिया गया है। भूस्वामियों को कब्जा देने की कार्यवाही शीघ्र ही शुरू की जा रही है।

— राकेश थपलियाल, वरिष्ठ प्रबंधक पुनर्वास निदेशालय नई टिहरी

ताशकंद में चमकी उत्तरकाशी की बेटी

उत्तरकाशी। विकासखंड मोरी के बद्रासू गांव निवासी होनहार खिलाड़ी महक चौहान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में आयोजित महिला रग्बी टूर्नामेंट में महक चौहान को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के खिताब से सम्मानित किया गया। भारतीय महिला रग्बी टीम की सदस्य महक ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम की ओर से सर्वाधिक नौ ट्राई स्कोर किए और टीम की सबसे सफल स्कोरर रहीं। उनकी तेज रफ्तार, दमदार फिटनेस, शानदार आक्रमण क्षमता और बेहतरीन खेल कौशल ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर सभी को प्रभावित किया। टूर्नामेंट में भारतीय महिला रग्बी टीम ने संघर्षपूर्ण और सराहनीय प्रदर्शन किया। हालांकि टीम पदक जीतने से चूक गई, लेकिन खिलाड़ियों ने अपने दमदार खेल से भविष्य के लिए मजबूत उम्मीदें जगाई हैं। यह प्रतियोगिता भारतीय महिला रग्बी टीम के लिए एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय अनुभव साबित हुई जो आने वाले समय में टीम को और अधिक मजबूत बनाने में सहायक होगी। महक की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। उनकी सफलता युवा खिलाड़ियों, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी है। क्षेत्रीय विधायक दुर्गेश्वर लाल, जिला पंचायत अध्यक्ष रमेश चौहान, किशन रावत, जगदीश रांगड़, राजपाल रावत एवं प्रहलाद पंवार आदि ने उनकी सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

मोबाइल उठाने के दौरान युवक खाई में गिरा, मौत

उत्तरकाशी। कुटेटी के समीप खाई में गिरने से एक युवक की मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब घूमते समय युवक का फोन गिर गया था। वह फोन के लिए थोड़ा आगे बढ़ा और खाई में गिर गया। बुधवार शाम करीब छह बजे एक युवक दो दोस्तों के साथ कुटेटी–जसपुर सिल्याण रोड पर घूमने गया था। इसी दौरान उसका मोबाइल फोन हाथ से छूटकर सड़क से नीचे गिर गया। मोबाइल उठाने के लिए जैसे ही वह नीचे उतरा उसका पैर पिस्ल से फिसल गया और वह करीब 50 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। हादसे के तुरंत बाद साथियों ने स्थानीय लोगों की मदद से युवक को बाहर निकालकर जिला चिकित्सालय पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।बताया गया कि विकास ट्रैकिंग दल के साथ कुकिंग का कार्य करता था। वहीं उसके साथ मौजूद दोनों दोस्त राहुल सिंह रावत पुत्र चतर सिंह रावत (33), निवासी ग्राम बौंगा, और त्रिलोक नाथ (28) पुत्र भुजबल सिंह नाथ, निवासी ग्राम डांग सुरक्षित हैं। दोनों ट्रैकिंग दलों के साथ गाइड का कार्य करते हैं।

यमुनोत्री हाईवे पर जाम की समस्या से जूझ रहे यात्री

उत्तरकाशी। यमुनोत्री हाईवे पर पाली गाड़ से जानकीचट्टी के बीच सड़क कटिंग कार्य जारी रहने से मुसीबत बनी है। चौड़ीकरण कार्य के दौरान निकाला गया मलबा और पत्थर कई स्थानों पर सड़क किनारे पड़े हुए हैं जिससे मार्ग संकरा हो गया है। पीक यात्रा सीजन में वाहनों का दबाव बढ़ने से हाईवे पर यातायात प्रभावित हो रहा है। वाहनों की लंबी कतारें लगने से जाम की स्थिति बन रही है। प्रशासन के निर्देशों के बावजूद भी पाली गाड़ से जानकीचट्टी के बीच यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर ऑल वेदर रोड परियोजना के तहत सड़क कटिंग का कार्य जारी है। इससे यात्रियों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। निर्माणाधीन कंपनी की लापरवाही के चलते मार्ग पर पड़े पत्थर, मलबा और कटिंग कार्य के कारण जगह–जगह जाम की स्थिति बन रही है। भाजपा नेता एवं चारधाम होटल एसोसिएशन के प्रवक्ता संदीप राणा ने मामले पर नाराजगी जताई। कहा कि पाली गाड़ से जानकीचट्टी तक ऑल वेदर सड़क योजना के अंतर्गत चौड़ीकरण कार्य कर रही निर्माण कंपनी की मनमानी का

खामियाजा यमुनोत्री धाम पहुंचने वाले तीर्थ यात्रियों और स्थानीय लोगों को भुगतना पड़ रहा है। प्रशासन की ओर से यात्राकाल के दौरान सड़क कटिंग कार्य रोकने के साफ निर्देश दिए गए थे।इसके बावजूद भी कार्य जारी है। मलबा व पत्थर नहीं हटाए जाने से तीर्थयात्रियों को जगह–जगह जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है।

वन्यजीव हमले में जान गंवाने वाले ग्रामीण के परिवार से मिले डीएम

अल्मोड़ा। सल्ट विकासखंड के दूरस्थ ग्राम बोरडा तोक स्थित तड़म गांव में मानव–वन्यजीव संघर्ष में ग्रामीण महिपाल सिंह की मौत के बाद गुरुवार को जिलाधिकारी अंशुल सिंह गांव पहुंचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। दुर्गम पैदल मार्ग से गांव पहुंचे जिलाधिकारी ने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनीं और संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने दिवंगत महिपाल सिंह के परिजनों से बातचीत कर उन्हें हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। उन्होंने परिवार की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को देखते हुए एक बेटी को अस्थायी रूप से तहसील कार्यालय सल्ट में डाटा एंट्री ऑपरेटर के रूप में तैनात करने तथा दूसरी बेटी को शिक्षक स्वयंसेवक के रूप में अस्थायी नियोजन देने के निर्देश अधिकारियों को दिए। गांव में आयोजित

संवाद के दौरान ग्रामीणों ने वन्यजीवों के बढ़ते खतरे, सड़क, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं की समस्याएं जिलाधिकारी के सामने रखीं। इस पर जिलाधिकारी ने पूरे क्षेत्र में चेन लिंक फेंसिंग कराने के निर्देश दिए, ताकि ग्रामीणों को जंगली जानवरों के खतरे से सुरक्षा मिल सके। उन्होंने तड़म से भोनखाल तक मार्ग के सुधारीकरण और मार्ग पर सोलर लाइट लगाने के निर्देश भी दिए। साथ ही वन विभाग को क्षेत्र में नियमित गश्त बढ़ाने और गधेरे से गांव तक पेयजल लाइन बिछाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कुमेंरिया से बोरड तक सड़क निर्माण कार्य में भी शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग रानीखेत के अधिशासी अभियंता के अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए उनके खिलाफ स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी के पैदल गांव पहुंचकर समस्याएं सुनने और समाधान का भरोसा देने पर आभार जताया। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन केवल राहत तक सीमित नहीं है, बल्कि पीड़ित परिवारों को सामाजिक और मानसिक संबल देना भी उसकी जिम्मेदारी है।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

वैभव सूर्यवंशी की काबिलियत को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता: संजय बांगड़

नई दिल्ली । 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से जहां विपक्षी टीम के गेंदबाजों दहशत मचा रखी है, फैंस और विश्लेषकों को अपना मुरीद बना लिया है। मंगलवार को जयपुर में लखनऊ सुपर जांयट्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के इस सलामी बल्लेबाज ने 38 गेंदों पर 93 रनों की विस्फोटक पारी खेली और अपनी टीम को 7 विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। वैभव की इस पारी को देखने के बाद टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर संजय बांगड़ ने उनकी जमकर तारीफ की है। संजय बांगड़ ने कहा कि जब भी वह सूर्यवंशी को खेलते हुए देखते हैं, तो उनकी तारीफ के लिए शब्द कम पड़ जाते हैं। जियोस्टार पर संजय बांगड़ ने कहा, 'इस लड़के की क्षमता को समझा सके, उसके लिए मेरे पास पर्याप्त शब्द नहीं हैं। मैं उसके साथ न्याय नहीं कर सकता। कुछ शॉट तो बहुत बढ़िया थे, कम से कम इतना तो कह ही सकते हैं। लगातार कवर बाउंड्री के ऊपर से हिट करना, पेस के खिलाफ, स्पिन के खिलाफ, और जब भी बॉल शॉर्ट में डग की गई, वह बहुत बढ़िया था। 'बांगड़ ने आगे कहा, 'लखनऊ सुपर जायंट्स लाइन-अप में सारे गेंदबाज 145 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से गेंद फेंक रहे थे। इससे इस बच्चे को कोई फर्क नहीं पड़ा। उसने सच में एक मास्टरक्लास और शानदार वैभव सूर्यवंशी पारी खेली। जबरदस्त मनोरंजन हुआ। वह जहां भी जाएगा और जहां भी खेलेगा, पक्का भीड़ खींचेगा। '

अभिषेक से आगे पहुंचा आरआर का धुरंधर

200+ चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले टॉप-5 भारतीय

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के 15 वर्षीय युवा ओपनर बैटर वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 के 64वें मैच में चेज करते हुए 93 रन की तूफानी पारी खेली और टीम को जीत दिलाकर प्लेयर ऑफ द मैच बने। वैभव ने अपनी इस पारी के दौरान 10 बेहतरीन छक्के भी लगाए और वो अब आईपीएल इतिहास में 200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए और अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

वैभव सूर्यवंशी निकले अभिषेक शर्मा से आगे–
आईपीएल में 200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले अभिषेक शर्मा पहले नंबर पर थे, लेकिन लखनऊ के खिलाफ अपनी पारी के दौरान 10 छक्के लगाकर वैभव सूर्यवंशी ने अब अभिषेक को पीछे छोड़ दिया। आईपीएल में 200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में अब वैभव पहले नंबर पर आ गए। उन्होंने अब तक इस लीग में चेज करते हुए 10 पारियों में कुल 42 छक्के लगाए हैं जबकि अभिषेक शर्मा ने 17 पारियों में 41 छक्के लगाए थे। आईपीएल में 200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर संजू सैमसन हैं जिन्होंने अब तक 15 पारियों में कुल 40 छक्के लगाए हैं जबकि रोहित शर्मा इस सूची में चौथे स्थान पर हैं जिन्होंने 25 पारियों में 38 छक्के जड़े हैं। केएल राहुल इस लिस्ट में 5वें भारतीय हैं जिन्होंने 200 या उससे ज्यादा का स्कोर चेज करते हुए इस लीग में 22 पारियों में कुल 36 छक्के लगाए हैं।

200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले

टॉप-5 भारतीय

- 42 छक्के : वैभव सूर्यवंशी (10 पारी)
- 41 छक्के : अभिषेक शर्मा (17 पारी)
- 40 छक्के : संजू सैमसन (15 पारी)
- 38 छक्के : रोहित शर्मा (25 पारी)
- 36 छक्के : केएल राहुल (22 पारी

क्रिकेटर मोहम्मद शमी को बड़ी राहत, चेक बाउंस मामले में बरी

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को चेक बाउंस मामले में बड़ी राहत मिली है। शमी को अलीपुर कोर्ट ने उनकी अलग रह रही पत्नी हसीन जहां द्वारा दायर चेक बाउंस मामले में बरी कर दिया है। क्रिकेटर मोहम्मद की पूर्व पत्नी हसीन जहां ने आरोप लगाया था कि शमी द्वारा घर के खर्च के लिए दिया गया 1 लाख रुपए का चेक बाउंस हो गया था। बुधवार को अलीपुर कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए इस मामले में सभी आरोपों से बरी कर दिया है। 'आईएएनएस' से ??बात करते हुए, शमी के वकील सलीम रहमान ने कहा, 'क्रिकेटर मोहम्मद शमी को चार साल पुराने उस मामले में बरी कर दिया गया है, जिन्हें उनकी पत्नी ने दायर किया था।' इस मामले की सुनवाई बुधवार को अलीपुर में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में हुई, जहां शमी को सभी आरोपों से मुक्त कर दिया गया।उल्लेखनीय है कि साल 2018 में, हसीन जहां ने आरोप लगाया था कि शमी ने उन्हें घरेलू खर्चों के लिए 1 लाख रुपए का चेक दिया था, जो बाद में बैंक में जमा करने पर बाउंस हो गया। इसके बाद उन्होंने कोर्ट का रुख किया और शमी के खिलाफ मामला दर्ज कराया। इस मामले के अलावा, उन्होंने शमी और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ कई अन्य शिकायतें भी दर्ज कराई थीं।बुधवार को शमी कोर्ट में पेश हुए। फैसले के बाद मीडिया से बात करते हुए शमी ने कहा कि उन्हें पहले से ही पता था कि फैसला उनके पक्ष में आएगा, क्योंकि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया। उन्होंने कहा, 'मुझे जितने भी पैसे देने थे, मैंने उसका एक-एक रुपया चुका दिया है। चाहे मैदान के अंदर की बात हो या बाहर की, मैं हमेशा हर स्थिति को अपनी पूरी क्षमता से संभालने की कोशिश करता हूं। 'शमी फिलहाल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से अपनी अलग रह रही पत्नी के साथ चल रहे कानूनी विवादों के चलते वे लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं।

लिटन दास और रिजवान भिड़े! बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने किया जमकर स्लेज

सिलहट, एजेंसी। बांग्लादेश ने इतिहास रचते हुए पाकिस्तान को अपनी सरजमीं पर दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप कर दिया। ढाका में पहले टेस्ट में बांग्लादेश ने 104 रन से और सिलहट में दूसरे टेस्ट में 78 रन से जीत हासिल की। हालांकि, सिलहट टेस्ट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में बांग्लादेश के लिटन दास और पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान भिड़ गए। और इसके बाद तो पूरी बांग्लादेश टीम ने मिलकर रिजवान को खूब स्लेज किया। बांग्लादेश क्रिकेटरों ने यहां तक कहा कि रिजवान अच्छी एक्टिंग करता है, इसे बॉलीवुड में भेजो, लेकिन वहां भी इसे कोई नहीं लेगा। इसकी ओवरएक्टिंग इतनी है कि 50 पैसे काट लेंगे।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, सिलहट टेस्ट में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 437 रन का लक्ष्य दिया था। रिजवान और बांग्लादेशी खिलाड़ियों की लड़ाई पाकिस्तान की दूसरी पारी के दौरान हुई। तब पाकिस्तान का स्कोर पांच विकेट पर 259 रन था। पाकिस्तान की दूसरी पारी के 72वें ओवर में तैजुल इस्लाम गेंदबाजी कर रहे थे। चौथी गेंद पर जब तैजुल ने अपना रनअप लिया तो रिजवान क्रीज से हट गए और साइट स्क्रीन की ओर इशारा करने लगे। तब रिजवान के साथ सलमान आगा क्रीज पर थे। जैसे ही रिजवान ने साइट स्क्रीन की ओर इशारा किया, विकेटकीपिंग कर रहे लिटन भड़क गए।

बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने किया स्लेज

इस घटना के बाद तो पूरी बांग्लादेशी टीम रिजवान को स्लेज करने लगी। बांग्लादेशी खिलाड़ी ज्यादा आक्रामक नजर आए और रिजवान को खूब स्लेज किया। जैसे ही तैजुल ने ओवर की पांचवीं गेंद डाली, स्टंप माइक पर किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी ने रिजवान को स्लेज करते हुए कहा- थोड़ा रन कर लिया है, अभी एक्टिंग चालू हो जाएगा। फिर दूसरे बांग्लादेशी खिलाड़ी ने कहा- बहुत ज्यादा एक्टिंग हो रही है, बहुत ज्यादा एक्टिंग। तैजुल की आखिरी गेंद से पहले रिजवान का ध्यान भंग हुआ और वह फिर से क्रीज से हट गए। इसके बाद ओवर की आखिरी गेंद पर रिजवान ने एक रन लिया। बांग्लादेशी खिलाड़ी यहां भी नहीं रुके। किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी ने रिजवान को स्लेज करते हुए कहा- चलो भाई, बॉलीवुड में जगह मिल जाएगी इसे। तो इस पर एक और बांग्लादेशी क्रिकेटर ने कहा- नहीं भाई। उधर इसे जगह नहीं मिलेगी। इतना सुनते ही रिजवान फिर अंपायर के पास पहुंचकर शिकायत करते दिखे। फिर किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी ने कहा- इस ओवरएक्टिंग के लिए हम 50 पैसे काटेंगे। 50 पैसे। एक और बांग्लादेशी क्रिकेटर ने कहा- एक हफ्ते बाद इसकी ट्रेनिंग है भाई बॉलीवुड में।

प्लेऑफ की उम्मीदें अब भी बरकरार

मुंबई पर जीत के बाद तालिका में छठे स्थान पर पहुंची कोलकाता

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने मुंबई इंडियंस को चार विकेट से हराकर प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है। बुधवार को ईडन गार्डन्स पर खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 147 रन बनाए। जवाब में केकेआर ने 18.5 ओवर में छह विकेट पर 148 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

इस जीत के साथ कोलकाता की टीम अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है। उनके खाते में 13 अंक हो गए और नेट रन रेट +0.011 हो गया है। अब केकेआर को उनका आखिरी मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलना है। कोलकाता ने इस जीत के दम पर प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है।

मुंबई ने 41 के स्कोर तक अपने चार विकेट खो दिए थे। जब पारी के आठ ओवर पूरे हो गए थे, बारिश ने दखल दिया, लेकिन ब्रेक के बावजूद ओवरों में कटौती नहीं की गई। कप्तान हार्दिक पांड्या ने तिलक वर्मा के साथ पांचवें विकेट के लिए 49 गेंदों में 43 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की। तिलक वर्मा 20 रन बनाकर आउट हुए, जबकि पांड्या ने 26 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

कॉर्बिन बॉश ने दीपक चाहर के साथ आठवें विकेट के लिए 20 गेंदों में 42 रन की साझेदारी करते हुए टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। बॉश 18 गेंदों में दो छक्कों और तीन चौकों के साथ 32 रन बनाकर नाबाद रहे। विपक्षी खेमे से सौरभ दुबे, कैमरून ग्रीन और कार्तिक त्यागी ने दो-दो विकेट हासिल किए, जबकि सुनील नरेन ने एक विकेट निकाला।

इसके जवाब में केकेआर ने पहले ही ओवर में फिन एलन (8) का विकेट गंवा दिया। यहां से कप्तान अजिंक्य रहाणे ने मनीष पांडे के साथ 28 गेंदों में 38 रन की साझेदारी की। रहाणे 17 गेंदों में 4 चौकों के साथ 21 रन बनाकर आउट हुए। कुछ देर बाद कैमरन ग्रीन (4) भी पवेलियन लौट गए। टीम ने 7.1 ओवरों में 54 के स्कोर तक अपने तीन विकेट खो दिए थे। यहां से रोवमैन पॉवेल ने मनीष पांडे के साथ चौथे विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया।

भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराया

भोपाल । भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने बुधवार को उद्धव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल साई सेंटर में सीरीज के चौथे और आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले क्वार्टर की शुरुआत में ही ऑरोरा कोवासेविच (8') के गोल से बढ़त बना ली। भारतीय टीम ने जल्द जवाब दिया और कप्तान स्वीटी कुजूर (13') ने शुरुआती क्वार्टर खत्म होने से पहले पहला गोल कर टीम को बराबरी दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारत की दीया (25') ने गोल दागा। इस गोल से भारतीय टीम हाफटाइम तक 2-1 से आगे रही।

भारतीय टीम ने दूसरे हाफ में नियंत्रण बनाए रखा और तीसरे क्वार्टर में प्रियंका मिंज (44') के गोल से अपनी बढ़त 3-1 की कर ली। नौशीन नाज (50') ने आखिरी क्वार्टर में एक और गोल किया और भारत की बढ़त 4-1 करते हुए जीत पक्की कर दी।

भारतीय टीम के लिए यह जीत बहुत अहम रही। इस जीत के बाद इस महीने के आखिर में जापान में शुरू होने वाले अंडर-18 एशिया कप के लिए भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ेगा।

हालांकि 4 मैचों की इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने 1-3 से जीत दर्ज की।सीरीज के पहले मैच में भारत को 3-4 से हार का सामना करना पड़ा था। दूसरे मैच में भारतीय टीम को 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। तीसरे मैच में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया ने 1-2 से हराया था।

भारतीय टीम को निश्चित रूप से शुरुआती तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन टीम ने दमदार खेल का प्रदर्शन किया और ऑस्ट्रेलयाई टीम को मैचों के दौरान मुश्किल में रखा। पहला और तीसरा मुकाबला बेहद कांटे वाला रहा।

वर्ल्ड कप की शुरुआत से पहले ब्राजील को झटका; नेमार जूनियर फिर हुए चोटिल

रियो डी जनेरियो। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के आगाज से ठीक पहले ब्राजील को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार खिलाड़ी नेमार एक बार फिर चोटिल हो गए हैं। नेमार को हाल ही में ब्राजील की विश्व कप टीम में चुना गया है। 'शिन्हुआ' की रिपोर्ट के मुताबिक, 34 साल के सैंटोस स्टार बुधवार को सैन लोरेंजो के खिलाफ अपनी टीम के घरेलू कोपा सुदामेरिकाना मैच में पिंडली की चोट के कारण नहीं खेल पाए। हालांकि ब्राजील के क्लब ने नेमार की इंजरी को गंभीर नहीं बताया है। सैंटोस टीम के डॉक्टर रोड्रिगो जोगैब ने कहा कि फॉरवर्ड खिलाड़ी 27 मई को ब्राजील के पहले प्री-वर्ल्ड कप ट्रेनिंग सेशन के लिए तैयार होंगे।

'ओ ग्लोबो' ने जोगैब के हवाले से कहा, 'नेमार नेशनल टीम में फिट या लगभग पूरी तरह से फिट होने की स्थिति में ही टीम को रिपोर्ट करेंगे। इस बात की भी संभावना है कि वह अगले मंगलवार को डेपोर्टिवो कुएनका के खिलाफ खेल सकते हैं।' ब्राजील के लिए 128 इंटरनेशनल मुकाबलों में सबसे ज्यादा 79 गोल करने वाले नेमार ने ब्राजील के लिए आखिरी मुकाबला अक्टूबर 2023 में खेला था।

उरुग्वे के खिलाफ हुए वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबले में उनका एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट फट गया था। बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व अटैकर तब से चोटों से जूझ रहे हैं; पिछले साल जनवरी में अपने बचपन के क्लब सैंटोस में लौटने के बाद नेमार ने 38 मुकाबलों में सिर्फ 17 गोल किए हैं।

यह नेमार का चौथा फीफा वर्ल्ड कप होगा। इससे पहले वह 2014, 2018 और 2022 एडिशन में खेल चुके हैं। वह कैस्टिलो, जल्मा सैंटोस, निल्टन सैंटोस, पेले, एमर्सन लीओ, कैफू, रोनाल्डो और थियागो सिल्वा के साथ सबसे ज्यादा बार इस टूर्नामेंट में खेलने वाले ब्राजील के खिलाड़ी बन जाएंगे।नेमार के पास पेले के साथ जुड़ने और चार अलग-अलग वर्ल्ड कप में ब्राजील की नंबर 10 शर्ट पहनने वाले दूसरे खिलाड़ी बनने का भी मौका है। विश्व कप में नेमार ने 13 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने आठ गोल किए हैं और तीन असिस्ट किए हैं। ब्राजील अपने अभियान का आगाज 13 जून को न्यू जर्सी में मोरक्को के खिलाफ टूर्नामेंट शुरू करेगा, जिसके बाद ग्रुप सी में टीम की भिड़ंत हैती और स्कॉटलैंड से होगी।